RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-13 अंक: 56 ता. 22 अगस्त 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

एलएसी पर चीनी सेना ने बनाई 6 नई हेलीस्ट्रिप

-सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

नई दिल्ली । चीन ने फिर से बॉर्डर पर साजिश रचना शुरू किया है। लद्दाख से लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की सेना ने 6 नई हेलीस्ट्रिप बनाई है। सैटेलाइट तस्वीरों के द्वारा इसका खुलासा हुआ है। जहां हेलीस्ट्रिप बनाई गई है, वे वेस्टर्न तिब्बत में मौजूद है। लद्दाख के डेमचोक से इन हेलीस्ट्रिप की दूरी 100 मील है, इस कारण खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है। फिलहाल भारत सरकार की ओर से मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है। गेयायी नाम की जगह पर हेलीस्ट्रिप को बनाया है। यहां पर अभी कंस्ट्रक्शन का काम पूरा नहीं हुआ है। हेलीस्ट्रिप बनाने की शुरुआत अप्रैल, 2024 में हुई थी। तस्वीरों से पता चलता है कि यहां पर 6 हेलीस्ट्रिप तैयार की जा रही है। इसका मतलब है कि यहां सिर्फ 1 या 2 हेलीकॉप्टर नहीं, बल्कि आधा दर्जन से एक दर्जन हेलीकॉप्टर एक साथ तैनात हो सकते हैं। यह लद्दाख के डेमचोक से सिर्फ 100 मील और उत्तराखंड के बाराहोती से 120 मील दूर है। डेमचोक भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच संघर्ष क्षेत्र रहा है। चीन की सेना अक्सर ही एलएसी के करीब हेलीपैड या कंस्ट्रक्शन करती रही है। पिछले कुछ सालों में कई सारी सड़कों का निर्माण भी इस इलाके में किया है। भारत ने भी लद्दाख के करीब चीनी हिस्से पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है।

एआई से सुप्रीम कोर्ट के 36000 फैसलों का हिंदी में अनुवाद

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के 36271 फैसलों का एआई तकनीकी के माध्यम से हिंदी में अनुवाद किया गया है। एआई तकनीकी का उपयोग कर अन्य प्रादेशिक भाषाओं में भी अनुवाद किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के 17142 अदालती फैसलों का अनुवाद 16 प्रादेशिक भाषाओं में कराया गया है। प्रारंभिक तौर में इस तकनीकी के माध्यम से जो अनुवाद कराया गया था। उसमें कुछ गड़बड़ियां थी। बाद में इसमें सुधार किया गया। 2023 से अदालतों के अंदर जो मौखिक बहस होती है। उसको भी रिकॉर्ड एआई तकनीकी के माध्यम से किया जा रहा है। शुरुआती दौर में शब्दों के नहीं होने और कानूनी भाषा के शब्द नहीं होने के कारण कुछ समस्याएं आई थी। लेकिन अब उन्हें दूर कर लिया गया है। हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों के मायने भी एआई तकनीकी में शामिल किये गए हैं। उसके बाद इसका प्रदर्शन और भी बेहतर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक ट्रांसलेशन कमेटी बनाई है। एआई तकनीकी के माध्यम से जो प्रयोग किये जा रहे हैं। उसकी लगातार जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में इस तकनीकी के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं में सुप्रीम कोर्ट के फैसले, कोर्ट में होने वाली बहस इत्यादि का रिकॉर्ड तैयार हो सकेगा। न्यायालयों के काम में भी पारदर्शिता बढ़ेगी।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला.......डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली । 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

आज मनाया जाएगा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

चंद्रयान-3 मिशन ने रचा था इतिहास

नई दिल्ली।

अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन चंद्रयान-3 मिशन के दौरान चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग हुई थी। इस वर्ष के उत्सव का विषय चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना- भारत की अंतरिक्ष गाथा है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित मुख्य समारोह का उद्घाटन करेंगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, पिछले साल इसी दिन भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में चंद्रयान-3 उतारकर इतिहास रचा था। यह हमारा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। यह न केवल जश्न मनाने का दिन है, बल्कि आत्मचिंतन और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का भी दिन है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमने कार्यक्रम को इसी के अनुसार तैयार करने और इसे भविष्य की दृष्टि से अकादमिक दृष्टिकोण देने का प्रयास किया है। यह नागरिकों को अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धियों से अवगत कराने का भी अवसर है। एक तरह से यह ऐसा अवसर है जो हर नागरिक के दिल को छूता है। नई नीति आने और अंतरिक्ष क्षेत्र के उदारीकरण के साथ, हमने पिछले 3-4 वर्षों में इस क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की है, हम अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में 5 गुना वृद्धि करेंगे।

राजस्थान के शेखावाटी में दिखा बंद का व्यापाक असर

जयपुर ।

आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के विरोध में बुधवार को भारत बंद का ऐलान शेखावाटी में भी दिखा। झुंझुनूं, सीकर, चूरू और नीमकाथाना जिले में भी घोषित भारत बंद का व्यापक असर देखा गया। इन चारों जिलों में बंद समर्थक सुबह से सड़कों पर उतरे और दिन भर प्रदर्शन किया। इस दौरान बाजार बंद रहे, सड़कों पर भी आवाजाही न के बराबर दिखी। मुख्य सड़कों पर स्थित दुकानदारों ने स्वत ही अपने प्रतिष्ठान नहीं खोले हैं। हालांकि गलियों के अंदर कुछ छोटी-मोटी दुकान जरूर खुली हुई है। अधिकांश जगहों पर स्वत- ही यहां पर प्रतिष्ठान बंद है जिसके चलते अभी तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। शहरों की सड़कें सुनी रही। इधर, अंचल के सभी जिलो में सावधानी के तौर पर प्रशासन ने शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित कर दिया है। प्रशासन के द्वारा धारा 163 भी लागू की गई। शराब की दुकानें भी सरकारी आदेश से बंद रहे। कांग्रेस ने भी बंद को समर्थन दिया। कांग्रेस नेता अमित ओला ने कहा कि भाजपा सरकार षड्यंत्रपूर्वक आईएएस रैंक के अधिकारियों की भर्ती करने जा रही है, जिसमें अनसूचित जाति-अनसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का उल्लंघन हो रहा है। जो पूरी तरह से आरक्षित वर्गों के साथ अन्याय है। इस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर,पुलिस बल हर सड़क पर तैनात रहा। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी हो रही।

भारत बंद-यूपी में दिखा असर, सपा-बसपा और भीम आर्मी के कार्यकर्ता उतरे सड़कों पर, हाईवे किया जाम

लखनऊ।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले को लेकर यूपी के अलग-अलग जिलों में सपा, बसपा, कांग्रेस और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान कई जिलों में हाईवे जाम करने तथा रेलवे ट्रैक पर बैठकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा। बंद के आहवान को देखते हुए जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारी हाई अलर्ट पर रहे।

इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर यूपी डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंट्रोल रूम से खुद तैयारियों को परखा। अधिकारियों ने बंद की आड़ में हिंसा करने की साजिश करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटने का निर्देश दिया। डीजीपी ने बताया कि बंद को शांतिपूर्ण एवं प्रजातांत्रिक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद हैं। फिलहाल पूरे प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और संगठनों के ज्ञापन अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे हैं।

डीजीपी मुख्यालय द्वारा जिलों को आठ कंपनी केंद्रीय सुरक्षा बल मुहैया कराया गया है। विभिन्न जिलों से मिली जानकारी के अनुसार अयोध्या में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कई संगठनों ने प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी, आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के प्रदर्शन को संभालने के लिए सिविल पुलिस के साथ सीआरपीएफ सड़क पर उतरी। सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा ने की रोकने की कोशिश की। समाजवादी पार्टी गुलाबबाड़ी से जुलूस लेकर शहर में निकली तो भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने कचहरी गेट पर प्रदर्शन किया। पुलिस व सीआरपीएफ ने बीच में ही रोका जुलूस। तीनों संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा को सौपा ज्ञापन। संगठनों का दलित आरक्षण में छेड़छाड़ ना करने की मांग। आजाद समाज पार्टी ने कहा कि फैसला ना हुआ वापस तो दिल्ली में होगा आंदोलन।

सुल्तानपुर में भारत बंद के आह्वान का मिला जुला असर रहा। शहर में अधिकांश दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान खोले। आरक्षण का विरोध कर रहे दलित संगठनों व पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने दुकानें बंद कराने को लेकर नोकझोंक भी की। पुलिस वालों ने किसी तरह उन्हें शांत कराया। भीम आर्मी, बसपा सहित कई दलित संगठन व पार्टियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बुधवार को आवास विकास कॉलोनी में इकट्ठा हुए।

दिल्ली से लौटते ही चंपाई सोरेन ने किया बड़ा ऐलान

-नई पार्टी बनाने का फैसला

रांची।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता चंपाई सोरेन दिल्ली से लौट आए हैं और इसी के साथ उन्होंने बड़ा ऐलान भी कर दिया है। दरअसल उन्होंने घोषणा कर दी हे कि अब वो राजनीति से संन्यास लेने की बजाय एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगे और फिर अपने विरोधियों को चुनौती देंगे।

गौरतलब है कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने हाल ही में एक ट्वीट करके सियासी गलियारे में हलचल मचा दी थी। सभी इस सोच में डूब गए थे कि आखिर चंपाई का अगला कदम क्या होगा? अब दिल्ली से लौटे चंपाई सोरेन ने तमाम कयासों को विराम लगाते हुए घोषणा कर दी है कि वो राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे और नई राजनीतिक दल का गठन करेंगे। इसी के साथ उन्होंने गठबंधन के लिए भी दरवाजे खोल रखे हैं। चंपाई सोरेने ने अपने एक बयान में कहा कि मेरे सामने तीन विकल्प थे। एक रिटायरमेंट ले लिया जाए, दूसरा संगठन या और अंतिम दोस्त। ऐसे मैं रिटायर तो नहीं होऊंगा। मैं नई पार्टी बनाउंगा और पार्टी को मजबूत करूंगा। इसी के साथ चंपाई सोरेन अब बैकफुट की राजनीति करने की बजाय फ्रंट में रहते हुए राजनीति करने का निर्णय ले चुके हैं।

दिल्ली से लौटे चंपाई ने सभी समर्थकों से मुलाकात के बाद एक अलग संगठन खड़ा करने की घोषणा कर दी है। उनका कहना है कि सप्ताह भर के भीतर पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ...... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुददा

नई दिल्ली ।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को

अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

भारत बंद : बिहार के आरा में ट्रेन रोकी गई.....पूर्णिया में सड़क पर आगजनी

पटना ।

सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के खिलाफ दलित संगठनों की ओर से बुधवार को भारत बंद बुलाया गया है। बंद के दौरान बिहार के जहानाबाद में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक हुई है। पटना महेंद्रु इलाके प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे हैं। यहां पुलिस के सामने जबरन दुकानें बंद कराई जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने पूर्णिया में सड़क पर आगजनी की गई है। आरा, सहरसा में भी बंद का असर दिखाई दे रहा है। आरा रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने 01663 रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस ट्रेन को रोका है। प्रदर्शनकारी ट्रैक पर बैठे हुए हैं। सहरसा में डेड बॉडी ले जा रहे एक एंबुलेंस को रोक दिया गया। इधर, दरभंगा में बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को रोक दिया गया है। प्रदर्शनकारी ट्रेन पर चढ़कर केंद्र के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इस प्रदर्शन को देखते हुए बिहार पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। सुरक्षा को लेकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। यातायात व्यवस्था को लेकर जगह-जगह ट्रैफिक सिपाही लगाए गए हैं।

कानपुर ट्रेन हादसा साजिश है या हादसा, जांच में जुटी चार एजेंसियां

90 की स्पीड में भारी चीज से टकराई ट्रेन डिरेल हो गई

कानपुर।

कानपुर में ट्रेन हादसे के चार एजेंसियों ने साजिश के सबूत जुटाने में जुटी हैं। लखनऊ और कानपुर की फोरेंसिक टीम, एटीएस, एसआईटी चीफ और आईबीने पांच घंटे तक चार सौ मीटर के दायरे में जांच पड़ताल की। ट्रैक, बोल्डर और खराब हुई पटरियों को भी मापा।

इंजन के ब्लैक बॉक्स की जांच में सामने आया कि हादसे के वक्त साबरमती एक्सप्रेस 90 किमी प्रतिघंटे की स्पीड से दौड़ रही थी। ड्राइवर ने जांच एजेंसियों को बताया कि 30 मीटर दूर से उसे कोई भारी चीज पटरी पर रखी दिखी। इससे टकराने और इमरजेंसी ब्रेक लगाने से ट्रेन डिरेल हो गई। साबरमती के इंजन को इलेक्ट्रिक लोको शेड में टेक्निकल मुआयने के लिए भेजा है। इंजन के कैटल कैचर पर कुछ इंप्रेशन मिले थे। ये इंप्रेशन कितने हार्ड ऑब्जेक्ट कितनी भारी चीज से टकराया है? यह जांच करने के लिए फोरेंसिक टीम इलेक्ट्रिक लोकोशेड भी गई। जहां कैटल कैचर की जांच की गई।

एसआईटी चीफ ने कहा कि ट्रेन के ड्राइवर और असिस्टेंट लोको पायलट ने बताया कि ट्रेन भारी चीज से टकराई और डिरेल हो गई। जब ड्राइवर के दावों की जांच की गई तो घटना वाली जगह ऐसी कोई भारी चीज नहीं मिली, जो ट्रेन से टकराई हो। लोको पायलट यह नहीं बता सका कि क्या भारी वस्तु रखी थी। उसे जांच एजेंसी ने नोटिस जारी किया है। जांच एजेंसियों ने कई सबूत जुटाए हैं। फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा। जांच टीम को मौके पर एक बोल्डर और क्लैंप मिला। उसे क्लैंप के जरिए पटरी पर बंधवाने की कोशिश की। घंटेभर की कोशिश के बाद भी बोल्डर उसी क्लैंप के सहारे पटरी पर नहीं बांधा जा सका। जांच टीम को हादसे वाली जगह से करीब 120 मीटर दूर ओवरब्रिज के नीचे कुछ और बोल्डर जमीन में धंसे मिले। इन पर जंग लगे थे। पुलिस का दावा है कि कई दिनों से रेलवे ट्रैक पर काम हो रहा था। इसलिए वहां रेलकर्मी की लापरवाही ये सामान छूट गया होगा। नौ सीसीटीवी कैमरों की अभी भी जांच की जा रही है। ट्रेन हादसे के बाद से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे साजिश बताते हुए इसकी जांच का आदेश दिया था। फोरेंसिक की रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा।

फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस इसे साजिश मानकर जांच में जुटी हैं।

बेटे की इच्छामृत्यु की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचे दंपत्ति

नई दिल्ली। क्या कोई माता-पिता अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की डिमांड कर सकता है? सुनने में थोड़ा अजीब जरुर लेकिन दिल्ली के एक दंपत्ती ने ऐसी ही गुहार लगाई है।उन्होंने अपने 30 साल के बेटे के लिए इच्छामृत्यु की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल से ज्यादा हो गया, उनका बेटा वेजिटेटिव स्टेट पर है।वहां मेडिकल सपोर्ट सिस्टम के द्वारा किसी तरह जिंदा है।हालांकि, बेटे का इलाज महंगा है, इसमें उनकी पूरी जमापूंजी खत्म हो गई। डॉक्टरों ने भी उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं जाहिर की है।इसके बाद थककर मां-बाप ने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने उनकी मांग को अस्वीकार कर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्ग माता-पिता के दर्द को समझकर सरकार से कहा कि क्या वे इस मरीज की देखभाल के लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पैसिव यूथनेसिया की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि वहां जीवन रक्षक प्रणाली पर नहीं है, भले ही मरीज को राइल्स ट्यूब के जरिए खाना दिया जा रहा है।सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह मामला तब उठाया जब पीड़ित के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।पूरा मामला दिल्ली के रहने वाले अशोक राणा (62) और निर्मला देवी (55) के इकलौता बेटे से जुड़ा है।वे पिछले 11 साल से गंभीर हालात में है।हुआ यूं कि साल 2011 में 30 वर्षीय युवक मोहाली में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था।तभी एक हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं।वहां वेजीटेटिव स्टेट में चला गया।तब से लेकर आज तक युवक उसी कंडीशन में है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है।बेटे का इलाज कराते-कराते इस बुजुर्ग दंपत्ति की सारी जमा पूंजी खत्म हो चुकी है।अब डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया है।

बक्सर में फिर बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर... प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर

बक्सर।बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर फिर बढ़कर चेतावनी बिंदू के पास पहुंचा हुआ है। केंद्रीय जल आयोग से बुधवार की सुबह 8 बजे मिली अपडेट के अनुसार नदी का जलस्तर 58.90 मीटर पर पहुंचा है। वहीं, नदी में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार प्रति घंटे एक सेंटीमीटर बताया जा रहा है।बक्सर एसडीओ द्वारा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने की सूचना मिलने पर जिले के गोला घाट पर पहुंच निरीक्षण किया गया। एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि नदी का जलस्तर अभी चेतावनी बिंदू से नीचे है। इसकारण चिंता की कोई बात नहीं है। जिला प्रशासन संभावित बाढ़ क्षेत्र में अपनी राहत बचाव एसएनबी संबंधित तैयारी की हुई है। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर 8 अगस्त को तेजी से बढ़ते हुए चेतावनी बिंदू को पार कर गया था। 8 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.33 के पास पहुंच गया था।वहीं 9 अगस्त को जलस्तर बढ़ते हुए खतरे 59.49 पर पहुंच खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। जिसके कारण बक्सर के दर्जनों घाट का एक दूसरे से संपर्क टूट गया था।प्रसिद्ध रामरेखा घाट की सभी सीढ़ियां जल में समा गई।नदी का पानी विवाह मंडप में प्रवेश कर गया था।हालांकि 10 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.49 पर स्थिर होने के बाद 11 अगस्त से घटना शुरू हो गया।जो 16 अगस्त तक घटते हुए 57.94 के पास जा पहुंचा।इसी बीच नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एक बार फिर से तटवर्तीय लोगों की माथे पर चिंता की लकीर देखा जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में फार्मा कंपनी के कारखाने में लगी आग, चार कर्मचारियों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अचुतापुरम में बुधवार को एक फार्मा कंपनी के कारखाने में आग लग जाने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। अनकापल्ली की जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब दो बजे एसेंटिया फार्मा कंपनी के संयंत्र में हुई। कृष्णन ने बताया, हमने चार कर्मचारियों को खो दिया।उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए करीब 30लोगों को अनकापल्ली और अचुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने कहा कि कपंनी में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है।

भारतीय वायु सेना के लडाकू विमान से कोई वस्तु गिरी, कोई जानमाल का नुकसान नहीं

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में बुधवार को भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान से कोई वस्तु जमीन पर गिरी। वायुसेना ने कहा कि यह घटना सुनसान इलाके में हुई और जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। उसने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज तकनीकी खराबी के कारण पोखरण फायरिंग रेंज के पास भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान से एक 'एयर स्टोर' अनजाने में बाहर आ गया।'' उसने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है। रामदेवरा थाने के पुलिस उपनिरीक्षक शंकर लाल ने बताया कि गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुछ लोगों ने जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। उनके अनुसार वहां किसी वस्तु के टुकड़े पड़े हुए थे।

कोलकाता में एक और कांड! महिला का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप

कोलकाता।कोलकाता में एक और कांड सामने आया है।आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर संग रेप-मर्डर केस के बाद अब कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक महिला का शव मिला है।महिला का शव खून से लथपथ है।यह महिला कौन है, कहां की है और क्या करती है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई। फिलहाल, पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया गया है।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर महिला की हत्या कैसे हुई है, क्या रेप भी हुई थी? फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला की जानकारी खंगाल रही है। इस घटना के बाद से लोगों के भीतर और डर बढ़ गया है। बता दें कि कोलकाता रेप कांड को लेकर पहले से ही देशभर में बवाल जारी है।इससे पहले 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से यह बात सामने आई कि हत्या से पहले ट्रेनी डॉक्टर का रेप किया गया था।इस मामले में पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया है।फिलहाल, अब मामले की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक कोलाकात डॉक्टर मर्डर केस की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इसे लेकर हर जगह आक्रोश है।

सीबीआई को डर... दूसरा अक्कू ना बन जाए दरिंदा संजय

कोलकाता।कोलकाता के आरजी अस्पताल मर्डर केस में सीबीआई फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। दरिंदे संजय रॉय को लेकर सीबीआई काफी सतर्क है। दरिंदे रॉय के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसकारण दरिंदे को अदालत में पेश करने के लिए भी सीबीआई को माथापच्ची करनी पड़ रही है। सीबीआई को डर है कि अदालत में पेशी के दौरान दरिंदा संजय रॉय गुस्साई भीड़ के हत्थे न चढ़ जाए। इसकारण सीबीआई हर संभावित समाधानों पर विचार कर रही है। दरअसल सीबीआई को डर हैं कि अक्कू यादव कांड फिर ना हो जाए। दरअसल अक्कू यादव कांड आज से 20 साल पुराना कांड है। अक्कू यादव कोई छोटा-मोटा अपराधी नहीं था।अक्कू सीरियल किलर और रेपिस्ट था।अक्कू ने 40 से अधिक महिलाओं का रेप किया था।अक्कू नागपुर के कस्तूरबा नगर स्लम का रहने वाला था।अक्कू ने सालों तक अपने स्लम एरिया की महिलाओं का रेप किया। अक्कू ने 10 साल की उम्र से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं को हवस का शिकार बनाया।उसके खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं होता था।मगर अगस्त 2004 में उसके साथ वह हुआ, जिसकी गूंज सालों तक सुनाई दी। उसके ऊपर वेबसीरीज तक बन गई।जी हां, 13 अगस्त 2004 को जब अक्कू को कोर्ट में पेश किया गया, तब वह उसका आखिरी दिन था।कोर्ट रूम में महिलाओं की खचाखच भीड़ थी।जैसे ही दरिंदा अक्कू दिखा, महिलाओं ने कानून को अपने हाथों में लिया। महिलाओं ने एक साथ पुलिसवालों और अक्कू के चेहरे पर लाल मिर्च पाउडर फेंकना शुरू किया। फिर पुलिस की गिरफ्त से अक्कू को अपने बीच कर लिया। गुस्साई महिलाओं की भीड़ के सामने पुलिस भी खौफजदा रह गई। इसके बाद महिलाओं ने अक्कू यादव पर चाकू और पत्थर से ताबड़तोड़ वार किए गए।तब तक वार किए, जब तक कि अक्कू मर न गया। 15 मिनट में ही कोर्ट रूम की सफेद मार्बल वाली फर्श लाल हो चुकी थी और दीवार पर खून ही खून के छींटे थे।

बदलापुर मामले में हुई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे, आरोपी को दादा कहती थी मासूम

बदलापुर (एजेंसी)। ठाणे जिले के बदलापुर में चार साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना से उबाल है। स्कूल के शौचालय में चार वर्षीय दो बच्चियों से सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किये जाने के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों को रोक दिया और विद्यालय परिसर में धावा बोल दिया। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्च किया, जो पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। नाराज अभिभावकों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताने के लिए स्कूल भवन में तोड़फोड़ की।

इस मामले के आरोपी की पहचान अक्षय शिंदे के तौर पर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी बीच एक बच्ची के माता-पिता की तरफ से दर्ज कराई शिकायत से सामने आया है कि शिंदे ने कैसे वारदात को अंजाम दिया।एफआईआर में इस बात का जिक्र है कि स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाले ने बच्ची का यौन शोषण किया है। रिपोर्ट में एफआईआर के हवाले से बताया गया है कि घटना 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से 12 बजे के बीच हुई। इनमें से एक बच्ची के परिवार को 13 अगस्त को दूसरी बच्ची के परिवार से बात करने के बाद कुछ शक हुआ। दूसरी बच्ची के परिवार ने बताया कि वो यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं।

एफआईआर में कहा गया है कि इसके बाद बच्ची के पिता ने भी उसका मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया। शिकायत में बताया गया है कि मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची का हाइमन टूटने की बात सामने आई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि बच्ची बहुत डरी हुई थी और उसने परिवार को बताया कि स्कूल में दादा ने उसके कपड़े उतारे और निजी अंगों को छुआ था।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि परिवार ने कहा है कि उन्होंने 16 अगस्त को इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया था। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पुलिस ने 12 घंटों के बाद 16 अगस्त को रात 9 बजे एफआईआर दर्ज की थी।

बदलापुर मामले में टीएमसी सांसद ने की शिंदे सरकार की आलोचना

-बोलीं-महाराष्ट्र पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से कर दिया था इनकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो मासूम छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर शिंदे

सरकार की आलोचना की है।उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की प्रतिक्रिया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप -हत्याकांड पर कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बीच तुलना की। कोलकाता में रेप-हत्याकांड के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और बंगाल सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की जा रही है।मोइत्रा ने कहा कि बदलापुर मामले के विपरीत जहां महाराष्ट्र पुलिस ने कई दिनों तक प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया था। कोलकाता पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर रेप-हत्याकांड में आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया था। महुआ ने बुधवार को ट्वीट किया कि आरजी कर मामले में पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी। महाराष्ट्र में पुलिस ने कई दिनों तक एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। यह असली गैर-लोकतांत्रिक गठबंधन है। बता दें महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में सफाई कर्मचारी ने तीन और चार साल की दो मासूम छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के बाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की और भीड़ ने ट्रेन सेवाओं को बाधित कर दिया था।

छात्राओं से यौन उत्पीड़न मामले में सांसद सुले ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

-शहर में तनाव के चलते बंद की गई इंटरनेट सेवाएं बहाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं के साथ बदलापुर के एक स्कूल में दो छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न को लेकर शिंदे सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिए जाने की मांग की। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के सफाईकर्मी ने दो छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर तनाव बढ़ने के बाद इंटरनेट को बंद कर दिया गया था, जिसके बाद इसे बहाल कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि वह इस मामले की जांच के लिए बदलापुर एक टीम भेजेगा।

स्कूल के शौचालय में चार साल दो मासूम छात्राओं से सफाईकर्मी द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया और जिससे कई ट्रेन प्रभावित हुई थीं बदलापुर स्टेशन पर, उग्र प्रदर्शनकारियों को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ ''हाय-हाय'' के नारे लगाते और यौन उत्पीड़न में कथित तौर पर संलिप्त सफाईकर्मी को फांसी देने की मांग करते देखा गया। इसके साथ स्कूल परिसर में

धावा बोल दिया था। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजी, क्योंकि वह पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। आक्रोशित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताते हुए स्कूल में तोड़फोड़ भी की थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उन्होंने आईपीएस आरती सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की त्वरित अदालत में सुनवाई होगी और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला... डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

'कानून में बदलाव वक्त और वक्फ दोनों की जरूरत', नकवी बोले- 'टच मी नॉट' की राजनीति से आना होगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गुरुवार (22 अगस्त) को पहली बार बैठक करने की तैयारी कर रही है, जिसमें हाल ही में संपन्न संसद सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की जाएगी।

यह विधेयक भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और पार्टी के रणनीतिकार चाहते हैं कि इसे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पारित कर दिया जाए। हालांकि, बहुत कुछ जेपीसी की रिपोर्ट पर भी निर्भर करता है। भाजपा को न केवल विपक्षी दलों को साथ

लाना है, बल्कि चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों को भी विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करना है। नकवी ने कहा कि इस पूरी व्यवस्था (वक्फ बोर्ड की) को 'छूओ मत' की राजनीति से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है।

विपक्षी दलों और कुछ सहयोगी दलों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए नकवी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि वक्फ कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, पहले भी संशोधन किए गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान संशोधन किए गए थे। सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक पर विस्तार से चर्चा, विचार-विमर्श और विश्लेषण होना चाहिए, इसीलिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। जेपीसी एक संवैधानिक संस्था है और इसकी बैठकों में इस विधेयक पर खुले मन से चर्चा होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल के पास जो भी तर्क होंगे, वे जेपीसी की बैठकों में सामने आएंगे।

विधेयक को सांप्रदायिक रंग देने के 'प्रयासों' का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं और भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है, इसलिए सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस पर गहन चर्चा के लिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन समय की मांग है और यह नहीं माना जाना चाहिए कि किसी पर हमला किया जा रहा है या यह विधेयक किसी के खिलाफ है।

नक्सलवाद पर फाइनल चोट करने की तैयारी, दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे अमित शाह, प्रभावित राज्यों के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 और 25 अगस्त को छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नक्सल विरोधी अभियानों, रणनीतियों और माओवाद प्रभावित राज्यों में विकास पर उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। शाह अपने दौरे के दौरान पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। शाह के दौरे का विस्तृत प्रोटोकॉल जल्द ही पार्टी द्वारा जारी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री 23 अगस्त की शाम को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और 24 और 25 अगस्त को बैठकें करेंगे, जिसके बाद वे 25 की शाम को वापस लौटेंगे।

इस बैठक में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुखों के शामिल होने की संभावना है। इन राज्यों में नक्सलवाद पर लगाम लगी है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रमुख अनीश दयाल सिंह के भी इन दोनों बैठकों में शामिल होने की उम्मीद है। 25 अगस्त को गृह मंत्री सुबह समीक्षा बैठक के बाद रायपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री 24 अगस्त को छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार पर एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

नक्सल विरोधी बैठक ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब गृह मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी उग्रवाद हिंसा का भौगोलिक प्रसार काफी हद तक कम हो गया है। 2013 में 10 राज्यों में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो 2024 में घटकर केवल 38 रह गई है (अप्रैल-2024 से) जो नौ राज्यों में है- छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल।

बताया जा रहा है कि शाह नया रायपुर में कई विभागों के प्रमुख सचिवों और सचिवों, डीजीपी और राज्य तथा देश के अन्य नक्सल प्रभावित

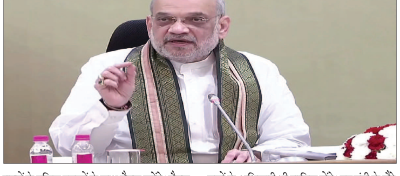

राज्यों के पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात अर्धसैनिक बलों के अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री के दौरे की तैयारियां जोरों पर हैं।

जब... पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में घुसी भीड़

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईश निंदा के फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की आलोचना की। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी किया था। यह घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबूवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता भी दे रहे थे। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस का इस्तीफा मांग रहे थे। उनकी मांग थी कि अदालत अपने फैसले को बदले। रिपोर्ट में कहा गया कि हजारों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। वे इमारत के नजदीक पहुंच गए। उन्हें कोर्ट में घुसने से रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। अब प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन आलमी मजलिस ने सुप्रीम को अपने फैसले की समीक्षा के लिए सात सितंबर तक का वक्त दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक विवाद की शुरुआत इस साल 6 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदिया समुदाय के मुबारक अहमद सानी को रिहा करने का आदेश दिया था। सानी को जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था। सानी पर आरोप था कि उसने 2019 में एक कॉलेज में एफसीर-ए-सगीर बांटा था। एफसीर-ए-सगीर, अहमदिया समुदाय से जुड़ी एक धार्मिक किताब है। इसमें अहमदिया संप्रदाय के संस्थापक के बेटे मिर्जा बशीर अहमद ने कुरान की व्याख्या अपने हिसाब से की है। सानी को कुरान (प्रिंटिंग एंड रिकॉर्डिंग) (संशोधन) एक्ट, 2021 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

क्या है मदीना मॉडल......भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती, जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका । जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने क इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इस्लाम की खूबसूरती देख सकते हैं।' बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है। जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है। हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला की 117 वर्ष की उम्र में मौत

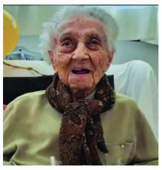

मैड्रिड । अमेरिकी मूल की स्पेनिश महिला ब्रान्यास का 117 साल की उम्र में निधन हो गया है। जेरोनटोलॉजी रिसर्च ग्रुप के अनुसार पिछले वर्ष फ्रांसीसी नन ल्यूसिल की मृत्यु होने के पश्चात ब्रान्यास दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला थी। उनके परिवार जनों का कहना है। वह जैसे अपनी मृत्यु को चाहती थी। वैसी ही उन्हें मृत्यु मिली है ।पूरे होशो हवास में उनकी मृत्यु हुई है।

पश्चिमी टेक्सास में विमान बिजली के खंबे से टकराकर गिरा, दो की मौत

टेक्सास। पश्चिमी टेक्सास के पास छोटा विमान क्रेश हो गया। दुर्घटना में विमान पायलट और एक यात्री की मौत हो गई। एक महिला घायल भी हुई है। मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद विमान ज्यादा ऊंचाई तक नहीं जा सका और एक बिजली के खंभे से जा टकराकर एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पायलट ने घरों को बचाने की पूरी कोशिश की। विमान में दुर्घटना के बाद विस्फोट हुए और विमान का मलबा नीचे गिरा जिससे कुछ मकानों में आग लग गई। एक जलते हुए घर से महिला को बचाया गया वह आग से झुलस गई थी उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग से वाहनों, तारबंदी और एक रेस्तरां को भी नुकसान पहुंचा है। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग ने पायलट की पहचान ह्यूस्टन के उपनगर बेलेयर निवासी जोसेफ विंसेंट सुम्मा (48) के रूप में की और यात्री की पहचान ह्यूस्टन के पूर्व में स्थित ऑरेंज निवासी जोलीन कैवेरेटा वेदरली (49) के रूप में की गई है। संघीय विमानन प्रशासन ने कहा कि विमान सेसना साइटेशन बिजनेस जेट था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस मामले की जांच करेगा।

क्या है मदीना मॉडल......भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती

-जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका । जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने क इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इस्लाम की खूबसूरती देख सकते हैं।' बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है।

जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है। हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

यूक्रेन में रुसी ड्रोन हमले में ध्वस्त एक ढांचागत केन्द्र में लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे, अमेरिका राष्ट्रपति पद का चुनाव : हैरिस के समर्थन में उतरे ओबामा

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए नवंबर में चुनाव होना है। इसके लिए चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है। बाइडेन के बाद राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने विस्कॉन्सिन में एक जनसभा की। वहीं पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने शिकागो में हैरिस के समर्थन में लोगों को संबोधित किया। ओबामा ने शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेशन में कहा कि मुझे उम्मीद है आप हैरिस के पक्ष में हैं। इससे पहले मिशेल ने जनसभा में कहा कि हवा में कुछ जादुई सा है, क्या ऐसा नहीं है? उन्होंने कहा कि अमेरिका में उम्मीद लौट रही है। इससे पहले, राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस ने विस्कॉन्सिन में कहा कि वह एक जन-संचालित प्रचार अभियान कर रही हैं। विस्कॉन्सिन में पिछले महीने रिपब्लिकन पार्टी का सम्मेलन हुआ था। हैरिस ने कहा कि हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे। स्वतंत्रता, अवसर, आशावाद और विश्वास का भविष्य बनाएंगे। वहीं अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि इतिहास जो बाइडन को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की। जो, शुक्रिया। मुझे उन्हें अपना राष्ट्रपति कहने में गर्व होता है, लेकिन मुझे उससे भी ज्यादा गर्व इस बात पर है कि वह मेरे मित्र हैं। सांसद चक शूमर और बर्नी सैंडर्स ने भी हैरिस की तारीफ की। इस प्रचार अभियान में डोनाल्ड ट्रंप की पूर्व प्रेस सचिव और उनकी कट्टर आलोचक स्टेफनी ग्रिशम ने भी हैरिस की तारीफ करते हुए कहा कि ट्रंप में कोई सहानुभूति, कोई नैतिकता और सच्चाई के प्रति कोई निष्ठा नहीं है। मैं अपनी पार्टी से ज्यादा अपने देश से प्यार करती हूं। हैरिस सच बोलती है। वह अमेरिकी लोगों का सम्मान करती है और मेरा वोट उनके साथ है।

फिर जगी उम्मीद... इजरायल और हमास के बीच शांतिवार्ता के प्रयास

-अमेरिका के नेतृत्व में अगले सप्ताह काहिरा में बैठक

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच पिछले हफ्ते दोहा में एक शांति वार्ता हुई थी। जिसमें दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर एक ड्रॉफ्ट तैयार हुआ। तब कहा गया था कि अगले हफ्ते मिस्त्र के काहिरा शहर में जो वार्ता होगी, उसमें सीजफायर का ऐलान होगा। शांति वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजरायल की राजधानी तेल अवीव पहुंच चुके हैं। अमेरिका के अलावा शांति वार्ता में मिस्त्र और कतर भी शामिल हैं। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों को यकीन है कि इस बार जंग रोकने के लिए कोई न कोई हल जरूर निकलेगा।

एक ओर सीजफायर का ऐलान होने की बात हो रही है। वहीं, इजरायल ने हमास पर रॉकेटों की बारिश कर दी है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट्स पर हमला हुआ, जिसमें एक ही परिवार के कम से कम 19 लोग मारे गए। उधर, जेनिन में इजरायली सेना ने ड्रोन से हमला कर हमास के दो कमांडरों को मार गिराया। मारे गए दोनों लोग हमास के लोकल कमांडर राफत दवासी और अहमद अबू आरा हैं।

बातचीत कौन कर रहा है?

इजरायल के प्रतिनिधिमंडल में आमतौर पर मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया शामिल होते हैं। उनके अलावा रोनेन बार, शिन बेट या आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के प्रमुख और मेजर जनरल नित्ज़न अलोन बंधक मामलों के लिए सेना के प्रतिनिधि के तौर पर होते हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सहयोगी ओफिर फाल्क ने भी प्रधानमंत्री की आंख और कान के रूप में कुछ वार्ताओं में भाग लिया है। पिछले दौर में, बातचीत करने वाली टीम के सदस्यों ने कथित तौर पर फॉल्क को बैठकों में शामिल करने से इंकार किया था।

हमास की टीम का नेतृत्व अनौपचारिक विदेश मंत्री खलील अल-हया करते हैं, जो कतर में रहते हैं। हय्या राजनीतिक प्रमुख हनिएह की करीबी थीं, जिनकी पिछले महीने हत्या कर दी गई थी। गाजा में अपने संकटग्रस्त नेता याह्या सिनवार को पोलित ब्यूरो का नया प्रमुख बनाने के समूह के फैसले का वार्ता पर बहुत कम व्यावहारिक प्रभाव है, लेकिन कुल मिलाकर यह समूह की ओर से अधिक कठोर रुख का संकेत है। वार्ता की मध्यस्थता अमेरिका, कतर और मिस्त्र ने की है। सीआईए के निदेशक, विलियम बर्न्स, कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री, शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्त्र के खुफिया प्रमुख और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के दाहिने हाथ अब्बास कामेल ने अधिकांश वार्ताओं में भाग लिया है।

क्या हुआ था नवंबर में

पिछले साल नवंबर में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम केवल एक सप्ताह में समाप्त हो गया था। तुरंत ही हमास ने इजरायल पर रॉकेटों की बौछार की और इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में युद्ध अभियान फिर से शुरू कर दिया। एक बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई युद्ध जल्द समाप्त नहीं होगा। प्रत्येक पक्ष ने वार्ता में विफलता के लिए दूसरे को दोषी ठहराया। हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इजरायली हवाई हमलों में 15,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

बाइडेन ने भावुक होकर डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान कमला को सौंपी

-अमेरिका इतिहास में ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान आधिकारिक तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी। उन्होंने कमला को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त करार देकर कहा कि वे एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी। बाइडन जब यह ऐलान कर रहे थे, तब माहौल काफी भावुक था। इस दौरान बाइडन की बेटी एशले उनका हाथ थामे दिखीं, वहीं भावुक बाइडन अपने आंसू पोंछते दिखाई दिए। 81 साल के बाइडन जब शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे, तब वहां मौजूद हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने प्लेकॉर्ड ले रखा था, जिसमें लिखा था, 'वी लव जो।

इस दौरान मंच पर बाइडन का हाथ थामे उनकी बेटी एश्ले ने कहा, आप हमेशा हमें बताते हैं, लेकिन हम आपको उतना नहीं बताते कि आप हमारी जिंदगी का प्यार हैं और हमारे प्यार की जिंदगी। बेटी के ये शब्द सुनते ही बाइडन की आंखों से आंसू छलक उठे। उन्होंने शिकागो कन्वेंशन में उत्साह से भरपूर नेताओं और कार्यकर्ताओं से सवाल किया, 'क्या आप कमला को अमेरिकी की राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने देशवासियों से कमला के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

बाइडन ने दावा किया कि कमला एक ऐतिहासिक' राष्ट्रपति साबित होंगी। उन्होंने कहा, मुझे अपने काम से प्यार है। हमें अपने लोकतंत्र को बचाए रखने की जरूरत है।हमें डोनाल्ड ट्रंप को हराने और कमला और टिम (वाल्ज) को को चुनने के लिए आपकी जरूरत है। बाइडन ने कहा कि ट्रंप को 2024 में महिलाओं की ताकत का अंदाजा लगेगा। उन्होंने कहा कि कमला जल्द अमेरिका की 47वीं राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं देंगी।

इस दौरान बाइडन ने ट्रंप पर निशाना साधकर कहा कि वे एक असफल राष्ट्रपति थे। पूर्व राष्ट्रपति पर अमेरिकी इतिहास के सबसे मजबूत सीमा सुरक्षा बिल को खारिज करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अमेरिका जीत रहा है।अमेरिका समृद्ध है। ट्रंप के (राष्ट्रपति) कार्यकाल की तुलना में अमेरिका आज अधिक सुरक्षित है।

ह्यूस्टन में हनुमानजी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा

ह्यूस्टन (एजेंसी)। ह्यूस्टन में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 90 फीट ऊंची हनुमान जी की मूर्ति का अनावरण हुआ है। इस प्रतिमा का नाम स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। जानकारी के मुताबिक यह मूर्ति श्री राम और सीता के पुनर्मिलन में भगवान हनुमान की भूमिका को याद करती है। इस प्रतिमा का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' रखा गया है। यह मंदिर टेक्सास के शुगर लैंड में श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में बनाया गया है। टेक्सास के ह्यूस्टन में हनुमान जी की विशाल प्रतिमा को लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ये अमेरिका में हनुमान जी की तीसरी सबसे बड़ी मूर्ति है। इस प्रतिमा का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। इस परियोजना के पीछे दूरदर्शी परम पावन श्री चिन्नाजीयर स्वामीजी हैं।

जब तक स्वयंसेवी लड़ाके मेरे पास मुझे कोई हरा नहीं सकता: पुतिन

-अचानक चेचन्या पहुंचे रुसी राष्ट्रपति, दबंग नेता रमजान से मिले

ब्रोजनी (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेचन्या का अचानक दौरा किया। यह करीब पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है। इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है। पुतिन का स्वागत चेचन्या के दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया। पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की। इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर ही रखा गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की तारीफ की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग मौजूद हैं, तब तक उसे कोई हरा नहीं सकता। कादिरोव ने एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को ने यूक्रेन में अपना विशेष सैन्य अभियान शुरू करने के बाद से स्वयंसेवकों समेत 47,000 से ज्यादा लड़ाके इस केंद्र में ट्रेनिंग ले चुके हैं। चेचन्या के लड़ाके यूक्रेन के साथ संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से लड़ रहे हैं

बता दें सोवियत संघ के पतन के बाद आजादी के समर्थक लड़ाकों का रूसी बलों के साथ सालों तक युद्ध चला। दिवंगत चेचन नेता जोखर दुदायेव के वफादार कीव समर्थक स्वयंसेवक पुतिन और कादिरोव का समर्थन करने वाली चेचन सेना के कट्टर दुश्मन हैं। जोखर दुदायेव आजादी समर्थक नेता थे। पुतिन कादिरोव के पिता और पूर्व चेचन नेता अखमत कादिरोव की कब्र और ग्रोज्नी की एक मस्जिद में भी गए।

थैंक यू जो, वी लव यू... के नारों के बीच इमोशनल हुए वाइडेन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का फेयरवेल कार्यक्रम का आयोजन था। इस मौके पर वी लव यू... के नारों से पूरा सभागार गूंज गया। वाइडेन के प्रति लोगों को लगाव और स्नेह ने उन्हे भावुक कर दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी के हजारों लोग मौजूद थे और सभी ने जो बाइडेन के सम्मान में खड़े होकर विदाई दी। शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन था, जिसमें जो बाइडेन के लिए फेयरवेल का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने राष्ट्रपति के तौर पर जो बाइडेन की सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। खासतौर पर पार्टी के तमाम नेताओं ने राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे हटने के लिए उनकी सराहना की।

जो बाइडेन ने कहा कि मैं इस बात के लिए आभारी हूं कि मुझे मौका दिया गया। मुझसे कुछ गलतियां भी हुई हैं, लेकिन पूरी मेहनत की है। मैंने बीते 50 सालों से देश की राजनीतिक व्यवस्था में काम किया। वहीं कमला हैरिस की जमकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह मेरा सही फैसला था। वह अनुभवी और कठिन फैसले लेने वाली हैं। उनकी कहानी अमेरिका की कहानी का प्रतिनिधित्व करती है।

जो बाइडेन एक डिबेट में लगभग सो गए थे। इसके अलावा वह बीमार रह रहे थे। उन्होंने अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए अंत में खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे खींच लिया था और कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया था। अब डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी से कमला हैरिस ही उम्मीदवार हैं। जो बाइडेन की फेयरवेल पार्टी में कमला हैरिस भी भावुक दिखीं। वहीं जो बाइडेन की तो आंखों से आंसू बहते दिखे। जो बाइडेन ने विदाई भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं तो वहीं डोनाल्ड ट्रंप की जीत होने की स्थिति में लोकतंत्र को लेकर चिंता जताई।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि स्थिति विपरीत है, जब एक राष्ट्रपति जा रहा है और यह डेमोक्रेटिक पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव का दौर है। जो बाइडेन ने कहा, यह मेरे लिए पूरी जिंदगी सम्मान की बात रहेगी कि मैंने राष्ट्रपति के तौर पर काम किया। मैंने अपने काम से प्यार किया है, लेकिन देश से उससे भी ज्यादा प्यार करता हूं। मैं अपने देश को बहुत प्यार करता हूं। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद की रेस से हटते हुए मेरे मन में कोई गुस्सा या मलाल नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी सारी खबरें गलत हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि मैं उन लोगों से नाराज हूं जिन्होंने मुझे हटने के लिए कहा।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी।

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए 'प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों' की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया 'पीछे के दरवाजे से भर्ती' है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी?

अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थीः संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खडगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है।

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

अस्पतालों में सुरक्षा

स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रहे रेजिडेंट ड़ॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को केंद्र सरकार के अस्पतालों की सुरक्षा तैनाती में 25 फीसद वृद्धि को मंजूरी दे दी। कोलकाता के रेप और हत्या मामले में ड़ॉक्टरों की हड़ताल से देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं, और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़.रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मार्शलों की तैनाती को भी मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते सुरक्षा समीक्षा में ऐसा किया जाना जरूरी लगे। हालांकि इस व्यवस्था से स्थिति में कोई ज्यादा अंतर नहीं आएगा क्योंकि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड़, दिल्ली, हरियाणा, केरल समेत 26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए पहले से ही कानून पारित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद इन राज्यों में स्वास्थ्य पेशेवरों पर हमले जैसी घटनाएं बराबर रिपोर्ट होती रही हैं। वे भी तब जब इन सभी राज्यों में ऐसे अपराध सोंय और गैर-जमानती श्रेणी में हैं। जाहिर है कि अस्पतालों में सुरक्षा का मसला लापरवाही का है। सुरक्षा तैनाती और बढ़ाने से पहले यह भी ध्यान में रखना होगा कि अस्पताल 'सार्वजनिक सुविधाएं' हैं, इसलिए उन्हें किले में तब्दील नहीं किया जा सकता। कोलकाता रेप एवं हत्या मामले पर मंगलवार को अस्पताल और पुलिस प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई। स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोलकाता घटना अपर्याप्त सुरक्षा की बजाय सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला ज्यादा प्रतीत होता है। आरोपी जिस प्रकार पहले भी अस्पताल में बेरोकटोक आता-जाता देखा गया, उससे लगता है कि सुरक्षा अमला पर्याप्त चौकस नहीं था, अपने कार्य में शिथिलता और लापरवाही का रवैया अपनाए हुए था। यदि मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को ही अच्छे से चाक-चौबंद कर दिया जाए तो चिंता करने का कोई कारण नहीं बच रहेगा। बेशक, कोलकाता की घटना ने देश भर को झकझोर ड़ाला है, और ड़ॉक्टरों तथा स्वास्थ्य पेशेवरों का अपनी सुरक्षा को लेकर आंदोलित हो उठना स्वाभाविक है। उनकी मांग पर सरकार प्रोएक्टिव मोड़ में आ गई है, और सुरक्षा तैनाती में इजाफे को तत्पर है। लेकिन सुरक्षा अमले में लापरवाही का ढर्रा जारी रहा तो इस इजाफे का हासिल क्या होगा। जरूरी है कि सुरक्षा तंत्र को ज्यादा से ज्यादा कसा जाए और कार्य में लापरवाही पर जीरो टोलरेंस की नीति पर चला जाए।

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी, यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार ह्यआलाकमानह्न सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेन्द्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं, जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाई होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाई हुई है, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्रवाई ही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गांधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।' तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट से सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- 'आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीघार्यु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।'

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि 'मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।'

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह (अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा का टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला।

-प्रो.संजय द्विवेदी

ग्लोबल साउथ को नेतृत्व की तलाशः कैसे होगा पूरा?

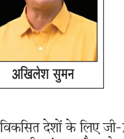

अखिलेश सुमन

दुनिया के विकसित देशों के लिए जी-7 जैसा एक प्रभावशाली संगठन है, जो वैश्विक नीतियों, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के मुद्दों पर गहन विचार विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लेता है। लेकिन विकासशील और पिछड़े देशों (जिन्हें ग्लोबल साउथ भी कहा जाता है) के लिए ऐसा कोई ठोस मंच नहीं है जहां वे अपनी आवाज बुलंद कर सकें और अपने हितों की रक्षा के बारे में चर्चा कर सकें। यह स्थिति ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ग्लोबल साउथ की चुनौतियाँ

ग्लोबल साउथ के देशों में अक्सर आर्थिक असमानता, बुनियादी ढांचे की कमी, भ्रष्टाचार और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव जैसी समस्याएं देखी जाती हैं।लोकतंत्र में अनावश्यक टकराव भी ग्लोबल साउथ की एक बड़ी चुनौती है। ये देश कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं, उन्हें जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा, और तकनीकी पिछड़ेपन जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटः उम्मीद की एक किरण

भारत ने 17 अगस्त को तीसरे ह्यवायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटह्न का आयोजन किया, जिसमें विकासशील देशों के मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 लाख अमेरिकी डॉलर के ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट की घोषणा की, जो इन देशों के विकास, क्षमता निर्माण, और तकनीकी साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस शिखर सम्मेलन में 123 देशों के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से शिरकत की। सबसे खास बात तो यह कि इसमें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस भी शामिल हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि शामिल देशों के प्रतिनिधियों ने काफी शिद्दत से अपने विचार पेश किए और अपनी समस्याएं भी बताई। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें टकराव भी नहीं दिख रहा था।

यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए एक मजबूत नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में इन देशों के लिए एक प्रभावशाली मंच के रूप में उभर सकता है। इसके पहले भी भारत ने अपनी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान की थी, एक जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले 12-13 जनवरी 2023 को और दूसरा जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद 17 नवंबर को। भारत की कोशिश यह थी कि वो जी-20 में ग्लोबल साउथ की आवाज को पेश कर सके और शिखर सम्मेलन के बाद ग्लोबल साउथ के देशों को जी-20 शिखर सम्मेलन में क्या हुआ इसके बारे में बताए। पहले और दूसरे वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में 125 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

संगठन की जरूरत क्यों

विकसित देशों के प्रभावी संगठनों के मुकाबले, ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भी एक मजबूत और प्रभावशाली संगठन की आवश्यकता है। इस संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर अपनी समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी आवाज को और मजबूत बना सकते हैं। यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म बन सकता है, जहां वे अपनी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को साझा कर सकते हैं और उनके क्रियान्वयन में सहयोग कर सकते हैं।

किसने ली पहल

अभी तक ग्लोबल साउथ को एकजुट करने के बारे में सिर्फ भारत ने पहल ली है। ग्लोबल साउथ के ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रवांडा, श्री लंका सहित अन्य देशों को सामने आना पड़ेगा। इतिहास ने देखा है कि चीन और पाकिस्तान जैसे देश साझे मंचों पर अपनी अति स्वार्थ वाली बातों के अलावा सामूहिक चिंता में कोई सहयोग नहीं किया है और पाकिस्तान का काम हर संभव मंच पर भारत विरोध करना। लेकिन ग्लोबल साउथ के अन्य देश विकास, रोजगार और लोकतंत्र के लिए कराह रहे हैं। उन्हें जरूरत है वायस ऑफ ग्लोबल साउथ की।

अलग हैं गुटनिरपेक्षता और वायस ऑफ ग्लोबल साउथ

कुछ लोगों का मानना है कि ग्लोबल साउथ की बातों से मौजूदा दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की झलक मिलती है। लेकिन दोनों में काफी फर्क भी है। जहां गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव शीत युद्ध के समय हुआ था, जब दुनिया दो ध्रुवों में बंटी हुई थी–एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में पूंजीवादी ब्लॉक और दूसरी तरफ सोवियत संघ के नेतृत्व में समाजवादी ब्लॉक–वहीं, ग्लोबल साउथ आज के जटिल वैश्विक परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता तलाश रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव 1950 और 1960 के दशक में हुआ, जब कई देश उपनिवेशवाद से आजाद हुए थे और वे शीत युद्ध के दो ध्रुवों में से किसी एक के साथ जुड़ने से बचना चाहते थे। उनका उद्देश्य था कि वे स्वतंत्र रूप से अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकें और वैश्विक राजनीति में अपनी स्वायत्तता बनाए रख सकें। इसके विपरीत, ग्लोबल साउथ का उद्देश्य ध्रुवों के पचड़े से अलग दुनिया के सभी ध्रुवों के साथ मिलकर अपने विकास, आवश्यकताओं और चिंताओं का निराकरण करना है।

जी-20 और ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता

जी20 ने ग्लोबल साउथ और विकसित देशों के बीच एक पुल बनाने की कोशिश की है, लेकिन यह पूरी तरह से ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता। इसकी सीमा इस तथ्य में निहित है कि यह संगठन न तो पूरी तरह से जी झ 7 के हितों का प्रतिनिधित्व कर सकता है, न ही ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दे सकता है। इस कारण, ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि यह वह मंच है जहां विकासशील देश अपनी आवाज को पूरी ताकत के साथ उठा सकते हैं और अपने मुद्दों पर केंद्रित रह सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉन्गा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चार धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है।

आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय-मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पौधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का संग्रह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबंधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियां चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खींचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली घास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्योदय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरने के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो इस यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यु के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस झरने के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फांल, बिशप फांल, स्वीट फांल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौर लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तिया राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसनेरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद ग़ोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थंकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

सेबी ने दिया बीएसई को बड़ा झटका

अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस के भुगतान पर राहत देने से किया इंकार

नई दिल्ली ।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से तगड़ा झटका लगा है। सेबी ने एनुअल टर्नओवर के आधार पर अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस के भुगतान पर स्टॉक एक्सचेंज को कोई राहत देने से इनकार कर दिया है। बीएसई ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए रेगुलेटरी फीस का भुगतान करने के लिए 169.77 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। जिसमें से उसे 167.33 करोड़ रुपये बतौर रेगुलेटरी फीस चुकाना होगा। सेबी ने अप्रैल में बीएसई को 'प्रीमियम टर्नओवर' के बजाय एनुअल टर्नओवर के नोशनल वैल्यू के आधार पर रेगुलेटरी फीस का भुगतान करने का निर्देश दिया था। चूंकि इस बदलाव से रेगुलेटरी फीस के रूप में अधिक भुगतान करना पड़ेगा, इसलिए एक्सचेंज ने जून में सेबी को लिखे एक पत्र में रिव्यू का अनुरोध किया था। पिछले हफ्ते सेबी द्वारा बीएसई के रिव्यू के अनुरोध के जवाब में भेजे गए पत्र के बाद, बीएसई के बोर्ड ने अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस का भुगतान करने की सलाह दी है। सेबी ने अपने जवाब में कहा, फ़यह दोहराया जाता है कि बोर्ड को नियामक शुल्क का भुगतान करने के उद्देश्य से ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए एनुअल टर्नओवर की गणना हमेशा उनके नोशनल वैल्यू के आधार पर की गई है। सेबी ने आगे कहा कि, चूंकि कोई निर्धारित सीमा अवधि नहीं है, ब्याज के साथ अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस की वसूली के लिए वित्त वर्ष 2014-15 से शुरू होने वाली 10 साल की लुक-बैक अवधि को उचित माना गया है। बता दें कि सेबी के दिशानिर्देश के मुताबिक, बीएसई को 'प्रीमियम टर्नओवर' के बजाय नोशनल टर्नओवर के आधार पर रेगुलेटरी फीस का भुगतान करना होगा।

भारतीय कंपनियां सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का करेंगी निवेश

नई दिल्ली । भारतीय कंपनियां क्षमता बढ़ाने को अगले एक-दो साल में पूंजीगत व्यय के तहत सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। यह जानकारी दी है साख निर्धारण से जुड़ी मूडीज रेटिंग्स ने। रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस व्यय में हिस्सेदारी 30 प्रतिशत होगी। मूडीज ने भारत और इंडोनेशिया में सक्रिय कंपनियों के ऊपर जारी एक रिपोर्ट में कहा कि उत्पादन श्रंखला एकीकरण को बढ़ाने और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ''अगले एक से दो साल में रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों का सालाना पूंजीगत खर्च लगभग 45 से 50 अरब डालर तक रहेगा। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी अकेले 30 प्रतिशत होगी। कंपनी ने विभिन्न कारोबार में निवेश को लेकर लगभग 15 अरब डॉलर का निर्धारण किया हुआ है।'' इसके मुताबिक, तेल एवं गैस क्षेत्र और रिलायंस इंडस्ट्रीज मिलकर एक-दो साल में सामूहिक रूप से भारतीय कंपनियों के कुल व्यय का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करेंगी। मूडीज ने कहा कि भारत में रेटिंग वाली सात तेल और गैस कंपनियों का निवेश में हिस्सेदारी कुल निवेश का लगभग 30 प्रतिशत होगी। ये कंपनियां मौजूदा क्षमता का विस्तार करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने लिए हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए सालाना लगभग 15 अरब डॉलर व्यय करेंगी। मूडीज रेटिंग्स ने उदाहरण देते हुए कहा कि ओएनजीसी (बीएए-3 स्थिर) और इंडियन ऑयल अगले दो साल में भंडार बढ़ाने, वितरण गतिविधियों यानी आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण और ऊर्जा बदलाव पर क्रमशः छह अरब डॉलर और चार अरब डॉलर खर्च करेंगी। मूडीज ने कहा कि भारतीय और इंडोनेशियाई कंपनियों के लिए कर्ज गुणवत्ता बेहतर रहेगी। चीन को छोड़कर भारत और इंडोनेशिया एशिया की दो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

आरबीआई गवर्नर दूसरी बार बने टॉप बैंकर, मिली ए प्लस रेटिंग

नई दिल्ली।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास को अमेरिका की एक पत्रिका ने ए प्लस रेटिंग दी है। आरबीआई ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लगातार दूसरे साल आरबीआई गवर्नर दास को ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024 में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। दास को तीन केंद्रीय बैंक गवर्नरों की सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए श्रेणी 'ए' से 'एफ' के पैमाने पर रेटिंग दी गई। यहां 'ए' सफल प्रदर्शन तो 'एफ' विफलता को दर्शाता है। डेनमार्क के क्रिश्चियन केटल थॉमसन, भारत के शक्तिकान्त दास और स्विटजरलैंड के थॉमस जॉर्डन को केंद्रीय बैंकरों की 'ए प्लस' श्रेणी में स्थान दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंकरों ने पिछले कुछ सालों में मुद्रास्फीति के खिलाफ युद्ध छेड़ा है, जिसमें उन्होंने उच्च ब्याज दरों के रूप में अपना प्राथमिक हथियार इस्तेमाल किया है। अब दुनिया के देश इन प्रयासों के ठोस परिणाम देख रहे हैं, क्योंकि मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

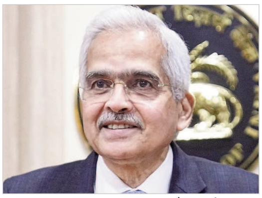

एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल फाइनेंस के वार्षिक सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड उन बैंक नेताओं को सम्मानित करते हैं जिनकी रणनीतियों ने मौलिकता, रचनात्मकता और दृढ़ता के जरिए से अपने साथियों से बेहतर प्रदर्शन किया है, ग्लोबल फाइनेंस द्वारा 1994 से प्रतिवर्ष प्रकाशित सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड यूरोपीय संघ, पूर्वी कैरिबियन सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स सहित करीब 100 देशों, क्षेत्रों और जिलों के केंद्रीय बैंक गवर्नरों को ग्रेड देते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया गिरावट के साथ 83.92 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया रुपया 83.87 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.73 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में गत दिवस रुपया 83.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंचा हालांकि फिर 83.87 प्रति डॉलर पर आ गया जो उसके पिछले बंद भाव के बराबर है। वहीं गत दिवस रुपया 83.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 101.82 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहाकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के बाद भी विदेशी पूंजी की निकासी का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने गिरावट रोके रखी।

बायजू का बीसीसीआई से विवादः कर्मचारियों को नहीं मिल रही सैलरी

सुप्रीम कोर्ट के रोक के चलते कंपनी का बैंक अकाउंट पर नियंत्रण नहीं

नई दिल्ली। संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू के कर्मचारियों का संकट अभी भी मंडरा रहा है। कंपनी ने अभी तक जुलाई की सैलरी नहीं दी है। इससे पहले भी बायजू कर्मचारियों को लेट सैलरी दे रही थी। लेकिन इस बार कंपनी के सीईओ बायजू रविंद्रन ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि कंपनी के बैंक अकाउंट नियंत्रण में नहीं है। ऐसे में इस बार सैलरी की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। बायजू को एक और तगड़ा झटका लगा था। कंपनी को बीसीसीआई के केस में नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने पैसा चुकाने की मंजूरी दे दी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ग्लास ट्रस्ट कंपनी की याचिका के चलते इस पर रोक लगा दी। बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न अभी तक जुलाई की सैलरी नहीं दे पाई है। कंपनी के सीनियर अधिकारी ने कहा कि एनसीएलएटी के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के चलते सैलरी का संकट खड़ा हो गया है। इस बीच बायजू रविंद्रन ने कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में कहा कि मैं आपके लिए चिंतित हूं। जुलाई के लिए आपका वेतन अभी तक जमा नहीं हो सका है। बीसीसीआई के साथ विवाद के कारण हमें इस संकट से जुझना पड़ रहा है। हम पैसा चुकाने को तैयार हो गए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है। इसके चलते कंपनी के अकाउंट हमारे कंट्रोल में नहीं हैं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही हमें बैंक अकाउंट का कंट्रोल मिल जाएगा, उसी समय आपका पेमेंट कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में से उछाल दुनियाभर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी शेयरों में आई बढ़त से बाजार ऊपर आया। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 0.87 फीसदी बढ़ा जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.43 फीसदी ऊपर आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.44 अंक या 0.13 फीसदी की बढ़त लेकर 80,905.30 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला निफ्टी 71.35 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी बढ़कर 24,770.20 पर बंद हुआ।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.68 फीसदी की कमी आई है। जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.38 फीसदी और हांगकांग के हैंगसेंग में 0.87 फीसदी की कमी आई है। अमेरिकी बाजार डाओ जोंस 61.56 अंक करीब 0.15 फीसदी नीचे आकर 40,834 पर बंद हुआ था। दूसरी ओर नेसडेक 59.83 अंक 0.33 फीसदी नीचे आकर 17,816 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 1,457.96 करोड़ के शेयर बेचे।

इससे पहले गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार बुधवार को शुरुआती कारोबार में नीचे आया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का बीएसई सेंसेक्स 111.15 अंक गिरकर 80,691.71 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 16.20 अंक टूटकर 24,682.65 अंक पर कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स की 13 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। सबसे अधिक नेस्ले इंडिया के शेयर की कीमत 1.02 फीसदी बढ़कर 2544.60 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गई। इसके अलावा, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये। सुबह गिफ्ट निफ्टी गिरावट के साथ 24,685 के स्तर पर कामकाज करता दिखा। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी गिरावट रही। इसके अलावा अमेरिकी बाजार भी मंगलवार को गिरावट दर्ज की गयी।

भारत में लैंड कर रहे तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स, बढ़ेगी डिजिटल कनेक्टिविटी

नई दिल्ली।

भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी में अब बड़ा सुधार होने वाला है। तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स- 2अफ्रीका पर्लस, इंडिया-एशिया-एक्सप्रेस(आईएएक्स) और इंडिया-यूरोपीय एक्सप्रेस(आईईएक्स) अक्टूबर से मार्च के बीच चालू होने वाले हैं। ये प्रोजेक्ट्स मौजूदा क्षमता को चार गुना से ज्यादा बढ़ा देंगे। 2अफ्रीका, जो दुनिया के सबसे लंबे अंडरसी केबल सिस्टमों में से एक है और 45 हजार किमी से ज्यादा लंबा है, इसमें भारती एयरटेल और मेटा समेत अन्य निवेशक शामिल हैं। इसकी क्षमता 180 टेराबिट्स प्रति सेकंड होगी और यह 33 देशों को जोड़ेगा, जिसमें मुंबई में सुनील मित्तल के नेतृत्व वाली एयरटेल का लैंडिंग स्टेशन भी शामिल है। आईएएक्स और आईईएक्स में रिलायंस जियो का भी योगदान है।

आईएएक्स और आईईएक्स मुंबई और चेन्नई में लैंडिंग करेंगे, जो भारत की वैश्विक टेलीकॉम बाजार में स्थिति को मजबूत करेंगे। आईईएक्स की क्षमता 200 टेराबिट्स प्रति सेकंड से ज्यादा होगी, जो मुंबई से पर्सियन गल्फ और यूरोप तक 9,775 किमी तक फैलेगा। आईएएक्स की क्षमता भी 200 टेराबिट्स प्रति सेकंड से ज्यादा होगी, जो मुंबई से शुरू होकर सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका तक 16 हजार किमी से ज्यादा तक फैलेगा। अंडरसी केबल्स समुद्र के तल पर रखे गए हाई-कैपेसिटी ऑप्टिक फाइबर पेयर्स होते हैं जो उच्च गति डेटा एक्सचेंज के लिए वैश्विक कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये तीन प्रोजेक्ट्स क्षमता को बढ़ाएंगे, साथ ही 5जी वीडियो स्ट्रीमिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करेंगे, जिससे डेटा सेंटर ऑपरेटरों से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होंगे। 2023 तक भारत में 14 स्टेशनों पर 17 अंतरराष्ट्रीय अंडरसी केबल्स थीं, जिनकी कुल क्षमता 138.55 टेराबिट्स प्रति सेकंड और सक्रिय क्षमता 111.11 टेराबिट्स प्रति सेकंड थी, ट्राई के मुताबिक इन केबल्स के कुछ चरण पहले ही अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के हिस्सों में पहुंच चुके हैं और परीक्षण चल रहा है। एक टेल्को कार्यकारी ने कहा कि समय-सीमा थोड़ी प्रभावित हुई क्योंकि मार्च में रेड सी में अशांति के कारण बीमा कंपनियों ने केबल-लेइंग जहाजों के लिए कवर हटा लिया था। अब सब सामान्य है और केबल्स की कमीशनिंग देर से होगी।

एप्पल ने पुनः रिलीज किया एडवांस डाटा प्रोटेक्शन फीचर

नई दिल्ली । एपल कंपनी ने अपने यूजर्स के लिए कुछ दिनों पहले कंपनी ने आईओएस 17.6.1 पेश किया था। कंपनी ने अब आईओएस17.6.1 का अपडेटेड वर्जन रिलीज किया है। दरअसल, आईओएस 17.6.1 को दोबारा रिलीज किए जाने के पीछे की वजह इस बार एडवांस डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग है। लेटेस्ट अपडेट 21जी 101 बिल्ड नंबर के साथ नजर आया है। इस बार इस अपडेट को एडवांस डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग के इनेबल-डिसेबल होने से जुड़ी परेशानी को फिक्स करने के लिए लाया गया है। ऐसे में अगर आप भी इस फीचर में आ रहे बग की वजह से परेशान हैं तो एपल का लेटेस्ट अपडेट जरूर डाउनलोड करना चाहिए। यूजर्स आईओएस 17.6.1 अपडेट के लिए फोन की सेटिंग्स पर आकर जनरल और इसके बाद सॉफ्टवेयर अपडेट पर टैप कर लेटेस्ट अपडेट चेक कर सकते हैं। एपल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, एडवांस डेटा प्रोटेक्शन को शेयर किए जाने वाले कंटेंट के एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन के लिए डिजाइन किया गया है। इस फीचर को इनेबल करने के साथ पार्टिसिपेंट्स द्वारा शेयर किए जाने वाला कंटेंट सुरक्षित रहता है। फीचर आईक्लाइड शेयरिंग फीचर जैसे आईक्लाउड शेयर्ड फोटो, लाइब्रेरी, आईक्लाउड ड्राइव शेयर्ड फोल्डर और शेयर्ड नोट्स के लिए काम करता है। एपल रिलीज नोट में दी गई जानकारी के मुताबिक, इस अपडेट में जरूरी बग को फिक्स किया गया है।

पांच हजार लोगों पर 43 लाख करोड़ बकाया, इनकम टैक्स वसूलेगा पाई-पाई

नई दिल्ली।

इनकम टैक्स विभाग वसूली को लेकर सख्त रुख अपना रहा है। विभान ने अपने अधिकारियों से 43 लाख करोड़ की टैक्स डिमांड वाले पांच हजार मामलों पर फोकस करने को कहा है। विभाग इसके जरिए रिकवरी में सुधार और मुकदमेबाजी में फंसी राशि को कम करना चाहता है। इसमें उच्च अधिकारियों की एक स्पेशल टीम बनाकर ऐसे मामलों की समीक्षा कर उनकी सूची सितंबर तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स विभाग को देने को कहा है। ये सारी कवायद सेंट्रल एक्शन प्लान के मुताबिक की जा रही है। इसे उद्योग और सरकार दोनों के बीच मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

इनकम टैक्स विभाग सेंट्रल एक्शन प्लान के तहत खासतौर पर टॉप पांच जहार टैक्स डिमांड वाले मामलों पर नजर रखेगा, जिनसे 43 लाख करोड़ से ज्यादा की वसूली की जानी है। यह कुल टैक्स डिमांड का करीब 60फीसदी है।

इंडस्ट्री और सरकार दोनों के लिए मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के चलते आयकर विभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए सेंट्रल एक्शन प्लान (कैप) लॉन्च किया है। इस योजना का मकसद ज्यादा कुशल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल प्रणाली बनाना है। इस प्लान में टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन को बढ़ाने, रेवेन्यू कलेक्शन को अनुकूलित करने, बकाया मांग के अंतर को कम करने और टैक्सपेयर सर्विसेज में सुधार करने जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं।

रिलायंस जियो ने लॉन्च किया जियो टीवी+ ऐप, देख सकेंगे 800 से ज्यादा चैनल्स

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो ने जियो टीवी+ ऐप लॉन्च कर दिया है, जिससे यूजर्स एक ही जियो एयरफाइबर कनेक्शन से दो टीवी कनेक्ट कर सकते हैं। इस ऐप के ज़रिए यूजर्स को दस से ज्यादा भाषाओं और बीस से ज्यादा श्रेणियों में 800 से ज्यादा टीवी चैनल्स देखने को मिलेंगे। इस ऐप की खास बात यह है कि यूजर्स एक ही लॉगिन से 13 से भी ज्यादा ओटीटी ऐप्स को एक्सेस कर सकते हैं और अपने पसंदीदा शो या फिल्में देख सकते हैं। जियो टीवी+ ऐप के साथ यूजर्स बिना किसी परेशानी के मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं।

एक बार लॉगिन करने के बाद, यूजर्स जियो टीवी+ ऐप के सभी कंटेंट देख सकते हैं। स्मार्ट टीवी के रिमोट का इस्तेमाल करके जियो टीवी+ ऐप के सभी चैनल्स और फीचर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भाषा, श्रेणी या चैनल नंबर डालकर आसानी से चैनल ढूंढ सकते हैं। स्मार्ट गाइड से 800 से ज्यादा चैनल्स को सर्च किया जा सकता है और उनके शेड्यूल भी देख सकते हैं। ऑन-डिमांड कंटेंट को अपनी सुविधा के मुताबिक देख सकते हैं और पहले दिखाए गए शो भी देख सकते हैं। बच्चों के लिए भी इसमें एक खास सेक्शन है।

जियो टीवी+ ऐप में सामान्य मनोरंजन, न्यूज, खेल, म्यूजिक, बच्चों के कार्यक्रम, बिजनेस और भक्ति चैनल्स शामिल हैं। जियो टीवी+ ऐप का इस्तेमाल करने के लिए, यूजर्स को अपने एंड्रॉइड टीवी, ऐप्पल टीवी या अमेज़न फायर टीवी स्टिक के ऐप स्टोर से जियो टीवी+ , हॉटस्टार, जी5, सोनीलिव और सननेस्ट ऐप्स डाउनलोड करने होंगे। यूजर्स जियो टीवी+ ऐप में अपने जियोफिबर, जियो एयरफिबर के साथ रजिस्टर किए गए मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करके लॉगिन कर सकते हैं। ओटीपी के ज़रिए ऑथेंटिकेशन पूरी होने के बाद, वे जियो टीवी+ ऐप का भरपूर आनंद ले सकते हैं।

भारतीय बाजार में इस साल कारों की मांग कम, मारुति सुजूकी ने घटाया उत्पादन

इस माह त्योहारी सीजन शुरु होने से कंपनी को है मांग बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में भारतीय बाजार में कारों की मांग उम्मीद से कम रही है और मारुति सुजूकी इंडिया ने डीलरों के पास मौजूद स्टॉक को देखते हुए अब उत्पादन कम कर रही है। सुजूकी मोटर कॉर्पोरेशन ने विश्लेषकों ने कहा कि हम बाजार में स्टॉक घटाने के लिए उत्पादन कम कर रहे हैं। भारत में त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है इसलिए हम मांग पर करीब से नजर रख रहे हैं।

कारों की मांग कम होने से स्टॉक काफी बढ़ गया है। डीलरों के संगठन फाडा ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम को बीते कुछ महीनों में दो बार पत्र लिखकर इस समस्या का समाधान करने का आग्रह किया है। फाडा के मुताबिक डीलरों के पास करीब 7,30,000 कारों का स्टॉक मौजूद है जो दो महीने तक कारों की मांग को पूरा करने के लिए काफी है। दूसरी ओर सायम का कहना है कि डीलरों के पास करीब चार लाख कारों का स्टॉक है।

सुजूकी मोटर कॉर्पोरेशन ने विश्लेषकों से कहा कि पहली तिमाही में भारतीय बाजार में इस साल बिक्री की रफ्तार उम्मीद से भी कम है। चुनावों और प्रतिकूल मौसम से भी बिक्री पर असर पड़ा है। बिना बिकी कारों का स्टॉक बढ़ गया है इसलिए हम उत्पादन उस हिसाब से घटा रहे हैं। इस साल त्योहारों का मौसम अगस्त में शुरू हो रहा है और इस दौरान कारों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मारुति सुजूकी का उत्पादन पिछले साल तुलना में 7.4 फीसदी बढ़कर 4,96,000 कारों का रहा। इस दौरान कंपनी की बिक्री महज 1.2 फीसदी बढ़कर 4,27,000 कारों की रही। देश के कार बाजार में मारुति की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 40 फीसदी रही है।

सुजूकी मोटर ने कहा कि सायम ने इस साल कारों की बिक्री दो से तीन फीसदी बढ़ने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में हम बिक्री बढ़ाने का प्रयास करेंगे। जुलाई में खुदरा बिक्री अप्रैल-जून की तुलना में थोड़ी बढ़ी है और पिछले साल की तुलना में तीन फीसदी बढ़ी है लेकिन जो कारें हमारे पास हैं उन्हें खपाना भी जरूरी है।

रियलमी सी63 5जी सेल में उपलब्ध

कंपनी खुशी से दे रही 1000 रुपए सस्ते में

नईदिल्ली ।

चाइनीज कंपनी रियलमी के रियलमी सी63 5जी फोन को ग्राहक पहली सेल में सिर्फ 9,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर घर ला सकेंगे। कंपनी ने इस फोन को पिछले हफ्ते लॉन्च किया गया था। इसे सबसे स्मूथ एंट्री-लेवल 5जी फोन कहा गया है। इस फोन में 120 एचझेड डिस्प्ले मिलता है, और खास बात ये है कि इसके साथ फ्री चार्जर मिलेगा।

फीचर्स के तौर पर रियलमी सी63 5जी में 6.67-इंच का एचडी+ (720म1,604 पिक्सल) डिस्प्ले दिया जाता है, जिसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट, 625 नीटस की पीक ब्राइटनेस, 89.97 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो और 240 एचझेड टच सैंपलिंग रेट मिलता है। ये नया फोन 8जीबी रैम के साथ मीडियाटेक डाइमेंशन 6300 5जी चिपसेट पर काम करता है। इसमें वर्चुअल रैम की सुविधा दी जाती है, जिसकी मदद से रैम को 16जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें मिनी कैप्सूल 2.0 फीचर भी मिलता है। ये फोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर काम करता है और कंपनी फोन के लिए तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट और दो साल के सॉफ्टवेयर अपडेट का वादा कर रही है। कैमरे के तौर पर रियलमी के इस लेटेस्ट फोन रियलमी सी63 5जी पर 32-मेगापिक्सल का एआई-सपोर्टेड प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है। फोन के फ्रंट में सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 8 मेगापिक्सल का कैमरा मिलता है। ये फोन 128जीबी तक इनबिल्ट स्टोरेज के साथ आता है जिसे माइक्रोएसडी कार्ड का उपयोग करके 2टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। पावर के लिए रियलमी सी63 5जी में 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाती है, जो कि 10वॉट की फास्ट चार्जिंग और रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट के साथ आता है।

विराट कोहली को लेकर पीयूष चावला ने किया बड़ा खुलासा, कहा- विराट आज भी बिल्कुल वैसे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अक्सर चर्चा में रहते हैं। वहीं कई दिग्गज उनके बारे में कह चुके हैं कि वो समय के साथ बदल गए हैं। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि पहले का विराट कोहली चीकू था और अब चीकू है ही नहीं। वहीं अमित मिश्रा ने तो यहां तक कह दिया था कि सफलता विराट के सिर चढ़ गई थी, और वह बिल्कुल बदल गए। लेकिन पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कोहली के बारे में बड़ा खुलासा करते हैं सबको चौंका दिया है।

दरअसल, पीयूष चावला का एक पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं कि विराट कोहली पिछले 10-15 सालों में कोई बदलाव नहीं आया है। 2 स्लॉगर्स पॉडकास्ट पर जब पीयूष से पूछा गया था, कि आप हमें ये बताइए कि विराट कोहली क्यों बदल गए है?

तो इस पर चावला कहते हैं कि मैं तो जितना भी विराट से मिला हूं, जितना भी उनके साथ खेला हूं मेरा बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हम लोग जूनियर क्रिकेट साथ खेले हैं और उसके बाद आईपीएल में खेले, टीम इंडिया के लिए साथ खेले हैं। मेरे साथ यही चीज है... देखिए हर किसी का अपना- अपना सोचना होता है, मेरे साथ जितनी भी बातचीत हुई है, हम अभी भी जब मिलते हैं तो बहुत अच्छे से मिलते हैं।

पीयूष चावला ने आगे कहा कि, वो जब एशिया कप में खेल रहे थे, और मैं कॉमेंट्री कर रहा था, मैं बाउंड्री के पास खड़ा हुआ था। इनिंग के बाद जो शो करना होता है, उसके लिए तो वहां पर वो आया और कहा पीसी यार चल कुछ अच्छा सा ऑर्डर करते हैं। क्योंकि हम दोनों ही खाने के बहुत शौकीन हैं, तो इस तरह से आज भी वैसे ही बातचीत होती है। जैसी आज से 10 साल या 15 साल पहले होती थी। पीयूष चावला का ये इंटरव्यू काफी पुराना है, लेकिन इस इंटरव्यू का ये हिस्सा फिलहाल काफी वायरल हो रहा है।

सुमित अंतिल को नीरज चोपड़ा की सलाह, पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।% अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतक हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

-30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।

आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

पूर्व बल्लेबाजी कोच बोले, रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी

-मैच को लेकर अपनी रणनीति नहीं भूलते

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।

राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं। किसी कप्तान को मैंने टीम बैठक या रणनीति में इतना शामिल होता नहीं देखा जितना उन्हें देखा है। वह टीम की रणनीति पर काफी समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों की बैठक, बल्लेबाजों की बैठक का हिस्सा रहते हैं। वह खिलाड़ियों के साथ समय बताते हैं और इस दौरान बताते हैं कि किससे उन्हें क्या चाहिये।

श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।' श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था।

मनु ने सम्मान समारोह में बच्चों के साथ किया डांस

चेन्नई । पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर अब अपने डांस के कारण छायी हुई हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वायरल वीडियो में मनु को एक सम्मान समारोह के दौरान कुछ स्कूली बच्चों के साथ बार-बार देखो फिल्म के मशहूर गाने काला चश्मा पर थिरकते देखा गया। वह इस गाने पर बच्चों के साथ ताल से ताल मिलाते नजर आ रही हैं। मनु ने ओलंपिक के एक ही सत्र दो व्यक्तिगत पदक जीतकर रिकार्ड बनाया था। वह इसके बाद से ही बेहद लोकप्रिय हो गयी हैं। चेन्नई के एक स्कूल में हुए सम्मान समारोह में मनु ने कहा, टोक्यो ओलंपिक से असफल लौटने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना बहुत कठिन था। मैं दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी थी, लेकिन मैंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे हारने और फिर जीतने का स्वाद पता है। यही तो खेलों की खूबसूरती है। एक प्रतियोगिता आप हारते हैं, तो आप दूसरी जीत सकते हैं। लेकिन, यह तभी होगा जब आप कड़ी मेहनत करेंगे। युवा छात्रों से करियर के विकल्प के रूप में खेल को अपनाने को लेकर इस निशानेबाज ने बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें बहुत मेहनत और प्रयास करना चाहिए। हमारे पास करियर के लिए कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनने की जरूरत नहीं है। खेलों को भी चुन सकते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

न्यूयॉर्क । पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकाबले के लिए तैयार हूं।

जहीर खान बन सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर, 2 और टीमें कर रही संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कोचिंग सेटअप में जहीर खान को जोड़ना चाह रही। ऐसा माना जा रहा है कि दो अन्य फ्रेंचाइजी भी जहीर को टीम में शामिल करने के लिए इच्छुक थीं, जो हाल ही मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास के प्रमुख थे इससे पहले वह 2018-2022 तक फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्ट थे।

पिछले साल के आखिर में गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ सुपर जायंट्स बिना किसी मेंटर के है। गंभीर, जो उस सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा थे जिसने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वो भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बन गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, जो एलएसजी के गेंदबाजी कोच थे, अब उसी भूमिका में भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं।

मेंटर की भूमिका के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स जहीर को और बड़ी भूमिका देना चाहती है। ऑफ सीजन के दौरान टैलेंट स्काउटिंग और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में भी वो शामिल हो सकते हैं। लखनऊ के बैकरूम का नेतृत्व वर्तमान में जस्टिन लैंगर कर रहे हैं। जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले एंडी फ्लावर की जगह मुख्य कोच के रूप में काम किया है, उनके सहायक के रूप में लांसस क्लूजनर और एडम वोजेस हैं। अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ बर्थ हासिल करने के बाद, केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम 2024 में टॉप चार में जगह बनाने के लिए नेट रन रेट पर पिछड़ गई।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।'' साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।' पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा।' कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।' ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।'

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।'

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।'

“JITO नेशनल यूथ कॉनक्लेव (NYC) 2024” का भव्य आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

बिजनेस सिटी के नाम से मशहूर सूरत में “JITO नेशनल यूथ कॉनक्लेव-2024” का आयोजन 24 से 26 अगस्त तक सूरत इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, सरसाना में आयोजित होगा। JITO सूरत यूथ विंग द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय सम्मेलन नेटवर्किंग, लर्निंग और मनोरंजन का एक अद्वितीय अनुभव देने जा रहा है।

इस कार्यक्रम में 200 से अधिक स्टॉल के साथ एक भव्यतम एक्सपो होगा, जिसमें विभिन्न उद्योगों से नवीनतम इनोवेशन, प्रोडक्ट और सर्विस का प्रदर्शन किया जाएगा। यह इवेंट लोगों के लिए देशभर के

विश्व स्तरीय वक्ता और मनोरंजन: कार्यक्रम के प्रतिभागियों को विश्व स्तरीय वक्ताओं को सुनने का अवसर मिलेगा जो विभिन्न विषयों पर अपने विचार कार अनुभव साझा करेंगे। रोज शाम को शानदार मनोरंजन एवं रंगारंग आयोजन होंगे, जिस विषयों पर अपने विचार सीखने, बल्कि मौज-मस्ती करने का भी स्थान बनेगा।

व्यवसायों और उद्यमियों के साथ जुड़ने और उनके बारे में जानने का एक अनूठा अवसर है।

इस सम्मेलन में युवा लीडर्स और व्यवसायियों को प्रेरित करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए निम्नलिखित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी:

JBN चार पे चर्चा: उद्योग जगत के लीडर्स के साथ प्रेरक विचार-विमर्श।

JIIF शार्क एंजल्स: अपने इनोवेटिव विचारों को उच्च श्रेणी के निवेशकों के सामने रखें।

JPF प्रोफेशनल्स मीट: प्रोफेशनल्स के लिए नेटवर्किंग के बेहतर अवसर।

JITO मेट्रिमोनि रिश्ते: सार्थक एवं भावपूर्ण संबंधों को और भी सुगम बनाना।

JITO गेम्स फनटर्न: सभी के लिए मज़ेदार और इंटरैक्टिव गेम।

JITO JOBS ARENA: कैरीयर के बेहतरीन अवसरों की जानकारी के लिए एक उमदा मंच।

JITO GOAT TALENT: अपने अद्वितीय कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर।

JITO CFE क्विज़: प्रतिस्पर्धी क्विज़ के साथ अपने ज्ञान का परीक्षण करें।

बिज़नेस सिमुलेशन गेम: एक कृत्रिम वातावरण में वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियाँ।

YOUTH ACTIVITY AREA: युवा-केंद्रित गतिविधियों के लिए समर्पित स्थान।

सूरत एक्सपो के दौरान लेनज़िंग के इनोवेटिव फाइबर सॉल्यूशंस ने बनाए टेक्सटाइल इंडस्ट्री में सुदृढ़ संबंध

सूरत।

लकड़ी द्वारा निर्मित विशिष्ट फाइबर्स में विश्व की प्रमुख उत्पादक कंपनी, लेनज़िंग ग्रुप ने सूरत में आयोजित छठे यार्न एक्सपो में अपनी भागीदारी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह एक्सपो एक इंटरनेशनल ट्रेड शो और कॉन्क्लेव था, जिसका आयोजन साउदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) ने किया।

अविनाश माने, सीनियर कमर्शियल डायरेक्टर, टेक्सटाइल बिज़नेस, लेनज़िंग फाइबर्स एएमईए और एनईए,ने कहा, “सूरत इंटरनेशनल ट्रेड शो और कॉन्क्लेव 2024 में निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों से हमें बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जो हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। हम इस तरह के सफल आयोजन के लिए साउदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) का तहे-दिल से धन्यवाद् करते हैं। हमारे अभिनव फाइबर समाधान गुजरात

की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को व्यापक रूप से लाभ पहुँचाने की क्षमता रखते हैं। हम एक्सपो के दौरान बने संबंधों को आगे बढ़ाने और क्षेत्र के टेक्सटाइल सेक्टर में स्थायी नवाचार को बढ़ावा देना जारी रखने के लिए उत्सुक हैं।”

तीन दिवसीय एक्सपो के दौरान, लेनज़िंग ने अपने शानदार ट्रेडिशनल और एथनिक वियर, फैशन आधारित, डेनिम और यार्न कोन के अपने अभिनव कलेक्शन की पेशकश की, जो कि टेंसल-टीएम (TENCEL™) और लेनज़िंग-टीएम इकोवेरो-टीएम (LENZING™ ECOVERO™) फाइबर्स द्वारा निर्मित है। ये फाइबर्स न सिर्फ आरामदायक हैं, बल्कि कपड़ों की गुणवत्ता को भी लम्बे समय तक बनाए रखते हैं। इस बात ने एक्सपो में उपस्थित लोगों का खूब ध्यान आकर्षित किया, जो टेक्सटाइल इंडस्ट्री में लेनज़िंग के नेतृत्व को उजागर करता है।

स्वर्णिम स्टार्टअप एंड इनोवेशन यूनिवर्सिटी ने 2024-25 के लिए नया एलएलबी और बीए एलएलबी कार्यक्रम लॉन्च किया

गांधीनगर। गांधीनगर स्थित स्वर्णिम स्टार्टअप एंड इनोवेशन यूनिवर्सिटी ने हाल ही में स्वर्णिम इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ के तहत दो नए कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। ये दो नए कोर्स - तीन साल का एलएलबी कोर्स और पांच साल का इंटीग्रेटेड बी.ए. एलएलबी पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से शुरू होगा। दोनों पाठ्यक्रम कानूनी अभ्यास और कानूनी शिक्षा के लिए बार कार्उसिल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित हैं।

इस कार्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, विश्वविद्यालय इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए योग्य उम्मीदवारों को आमंत्रित करता है।

कानून के क्षेत्र में उभरती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, स्वर्णिम इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ द्वारा प्रस्तावित इनमें से प्रत्येक पाठ्यक्रम छात्रों को कानूनी सिद्धांतों को समझने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करेगा। जिन छात्रों ने किसी भी स्ट्रीम में 10+2 में कम से कम 45% अंक प्राप्त किए हैं, वे पांच वर्षीय बी.ए. के लिए पात्र हैं। एलएलबी कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के पात्र। तीन वर्षीय एलएलबी कार्यक्रम के लिए, किसी भी क्षेत्र से स्नातक उम्मीदवार जिन्होंने कम से कम 45त्न अंक प्राप्त किए हैं, आवेदन करने के पात्र हैं।

स्वर्णिम स्टार्टअप एवं इनोवेशन यूनिवर्सिटी के प्रोवोस्ट डॉ. रागिन शाह ने कहा, च्स्वर्णिम स्टार्टअप एंड इनोवेशन यूनिवर्सिटी में, हमने हमेशा विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया है। कानूनी पेशे की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, हमें स्वर्णिम इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ में अपने नए एलएलबी और बीए एलएलबी कार्यक्रम शुरू करने पर बहुत गर्व है। हम अपने छात्रों को अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देकर समाज में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाने का प्रयास करते हैं। हम शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में इन पाठ्यक्रमों में छात्रों के पहले बैच का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश योग्यता के आधार पर होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि योग्य छात्रों को गुजरात के अग्रणी संस्थानों में से एक में कानून की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इच्छुक उम्मीदवार प्रवेश प्रक्रिया को सुलभ और सुविधाजनक बनाते हुए ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन मोड से भी आवेदन कर सकते हैं।

छात्रों को वास्तविक दुनिया की स्थितियों के अनुसार अपने कौशल विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से, विश्वविद्यालय ने एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है, जिसमें एक अत्याधुनिक मूट कोर्ट, कानूनी सहायता क्लिनिक और नियमित इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के माननीय न्यायाधीश। छात्रों को अदालत के दौरे से भी लाभ होगा, जिसके माध्यम से वे न्यायिक प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जान सकेंगे।

G9 इवेंट और एपेक्स एंटरटेनमेंट ने गरबा क्लासेस मैनेजर और खैलिया के साथ मीटिंग की

सूरत।

गुजरात में हर साल मनाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है नवरात्रि का नौ दिवसीय त्योहार। इस दौरान आप पूरे गुजरात राज्य को रोशनी से नहाया हुआ और खूबसूरती से सजाया हुआ देख सकते हैं। हर साल त्न9 इवेंट और एपेक्स एंटरटेनमेंट गरबा नवरात्रि सूरत शहर का सबसे प्रसिद्ध और मनोरंजक कार्यक्रम है, जिसमें कई प्रसिद्ध हस्तियां भी भाग लेती हैं। नौ दिवसीय उत्सव के दौरान युवा प्रतिभाएं नवरात्रि समारोह को आकार देने में भारी मात्रा में शामिल होती हैं।

जी9 इवेंट्स और एपेक्स एंटरटेनमेंट के हिरेन काकाडिया और आशीष काकाडिया ने इस साल 3 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले नवरात्रि उत्सव के संबंध में मिस्टर कैफे में एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें शहर के 18 से 20 गरबा क्लास संचालकों व खिलाडियों ने भाग लिया। इस बैठक में नवरात्रि डोम के डिजाइन और व्यवस्था और स्पॉन्सरशिप पर चर्चा की गई और सभी के सुझाव भी लिए गए. ताकि खिलाडियों के लिए नवरात्र को बेहतर बनाया जा सके. हिरेन काकडिया ने आगे कहा कि इस साल लगभग 4500 पारंपरिक खिलाड़ी और लगभग 3000 गैर-पारंपरिक खिलाड़ी हमारे साथ जुड़े हैं

स्कोडा ऑटो इंडिया लेकर आया है ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी

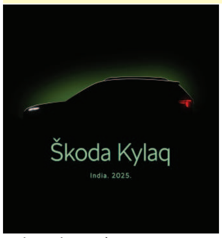

स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए आज का दिन एक बड़ी उपलब्धि वाला दिन है क्योंकि कंपनी अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ भारत में एक नए युग की ओर कदम बढ़ा रही है। फरवरी में घोषित और इसके डिजाइन के हाल ही में जारी किए गए टीज़र के बाद, इस वाहन का नाम एक राष्ट्रव्यापी कैम्पेन के जरिए रखा गया है। हजारों लोगों की पसंद को दर्शाते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी का नाम काइलैक (Kylaq) होगा, और यह अपने भावी ड्राइवर्स के साथ अनूठा संबंध स्थापित करेगी।

इस नाम के अनावरण के अवसर पर, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक, पेट्र जेनेबा ने कहा: “हमारी नई एसयूवी काइलैक (Kylaq) भारत के लोगों के लिए बनाई गई है। हम चाहते थे कि वे देश में हमारे अब तक के सबसे बड़े लॉन्च के हर बड़ी उपलब्धि का हिस्सा बनें। ‘नेम योर स्कोडा’ कैम्पेन का उद्देश्य प्रतिभागियों और संभावित ग्राहकों के बीच गर्व और अपनेपन की भावना पैदा करना था। 200,000 से अधिक प्रविष्टियों के साथ परिणाम शानदार रहा। यह भारत में हमारी विरासत को मजबूत करता है और ब्रांड स्कोडा के प्रति लोगों के गहरे लगाव को दर्शाता है। कार के नामकरण की प्रक्रिया हमारे लिए महत्वपूर्ण है। और यह आगामी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे बड़े सेगमेंट में एक शानदार उपलब्धि है। काइलैक (Kylaq) के साथ, लोगों, ग्राहकों और प्रशंसकों ने खुद ही हमारे परिवार के सबसे नए सदस्य का नाम रखा है। इस एसयूवी को भारत और यूरोप की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसे भारत में ही बनाया जाएगा।”

फरवरी 2024 में शुरू किए गए नेम योर स्कोडा कैम्पेन ने स्कोडा के ग्राहकों और प्रशंसकों को 2025 में भारत और दुनिया में लॉन्च होने वाली नई कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए नाम चुनने का मौका दिया। ‘नेम योर स्कोडा’ के माध्यम से, प्रतिभागियों ने कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए ऐसे नाम सुझाए जो अक्षर ‘K’ से शुरू होते हैं और एक या दो अक्षरों के साथ अक्षर ‘त्त’ पर समाप्त होते हैं, जो स्कोडा की अपनी ICE SUV के नामकरण की परंपरा के अनुरूप है।

इस कैम्पेन के तहत 24,000 से अधिक अनूठे नामों के साथ 200,000 से अधिक प्रविष्टियां मिलीं। अगले चरण में, प्रतिभागियों ने 15 शॉर्टलिस्ट किए गए नामों में से चुनाव के लिए अपना वोट डाला। वोटों की संख्या के आधार पर, 15 शॉर्टलिस्ट किए गए नामों में से, स्कोडा ऑटो इंडिया द्वारा 10 नामों की घोषणा की गई। सूची से, विजेता नाम, जिसे सबसे अधिक वोट मिले और जिसने सभी अनुपालन मानदंडों को पूरा किया, उसे बिल्कुल नई कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए चुना गया। काइलैक (Kylaq) क्रिस्टल के लिए संस्कृत शब्द से लिया गया है, जो वाहन के अद्भुत गुणों और माउंट कैलाश से प्रेरणा दोनों को दर्शाता है।

इस नामकरण प्रतियोगिता का विजेता 2025 में सड़क पर उतरने वाली स्कोडा काइलैक (Kylaq) का पहला मालिक होगा। इसके जरिए लोगों अपनी कार का नाम रखने का अनूठा अवसर मिलेगा। दूसरे 10 विजेता प्राग में स्कोडा ऑटो का दौरा करेंगे और उन्हें स्कोडा म्यूजियम और शहर घूमने का मौका मिलेगा। विजेताओं की घोषणा आज दोपहर 2 बजे स्कोडा ऑटो इंडिया के सोशल मीडिया चैनलों पर की जाएगी।

काइलैक (Kylaq)

नई कॉम्पैक्ट एसयूवी, जिसे अब काइलैक (KYLAQ) नाम दिया गया है, उसे ‘आपके लिए एसयूवी’ (एसयूवी फॉर यू) के रूप में पेश किया गया है। यह कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में स्कोडा ऑटो इंडिया का पहला कदम है। यह एसयूवी MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान के समान है। MQB-A0-IN को भारत और चेक गणराज्य की टीमों द्वारा विशेष रूप से भारत के लिए विकसित किया गया है। इसमें बहुपयोगिता, सुरक्षा और गतिशीलता पर फोकस किया गया है। इसके अलावा इस एसयूवी के विकास में लोकलाइजेशन, रखरखाव की कम लागत और मजबूती पर खास फोकस किया गया है।

एयरटेल के नेक्सट्रा ने वित्त वर्ष 23-24 के लिए सतत रिपोर्ट जारी की

गुरुग्राम।

भारती एयरटेल (एयरटेल) की सहायक कंपनी नेक्सट्रा डेटा लिमिटेड (“नेक्सट्रा बाय एयरटेल”) ने आज वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी सततता रिपोर्ट के दूसरे संस्करण का अनावरण किया।

रिपोर्ट में नेक्सट्रा के पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मापदंडों पर लगातार तथा बढ़ते फोकस पर प्रकाश डाला गया है। यह रिपोर्ट भविष्य के लिए तैयार, डिजिटलीकृत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए की जा रही नेक्सट्रा की पहलों का विवरण देती है जो डिजाइन में टिकाऊ है और घने कार्यभार को समायोजित करने और ग्राहकों को निर्बाध गति से सेवा प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं, जिससे उनके आगे बढ़ने में सहायक बन सके।

एयरटेल की नेक्सट्रा के सीईओ आशीष अरोड़ा ने कहा, च्डेटा सेंटरों का भविष्य सततता के साथ कुशल बुनियादी ढांचे का सामंजस्य बनाने की हमारी क्षमता में निहित है। हमारे व्यवसाय मॉडल एवं संचालन में अभिनव ईएसजी पहलों को एकीकृत करना हमारे डेटा सेंटर निर्माण तथा संचालन का पहले दिन से ही अभिन्न अंग रहा है। जैसा कि हमारी सततता रिपोर्ट में बताया गया है, हमने इस वित्तीय वर्ष के दौरान सभी तीन सततता मापदंडों ‘पर्यावरण, सामाजिक और शासन’ में लगातार प्रगति की है तथा आगे भी इसे अपना मुख्य फोकस क्षेत्र बनाए रखना जारी रखेंगे।

परिचालन में 220,541 मेगावाट घंटे अक्षय ऊर्जा का उपयोग, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 41% अधिक है।

बिजली की खपत में 25त्न की वृद्धि के बावजूद आधार वित्तीय वर्ष 21 की तुलना में स्कोप 1 और 2 उत्सर्जन में लगभग 4% की कमी। कार्यस्थल पर 30त्न अधिक प्रतिनिधित्व के साथ महिला कर्मचारियों की संख्या में लगातार वृद्धि सुनिश्चित की।

वित्तीय वर्ष 23 से वित्तीय वर्ष 26 तक महिलाओं के प्रतिनिधित्व को दोगुना करने के उद्देश्य से, नेक्स्टवेव (N×tWave) पहल - इंजीनियरिंग में महिलाओं के लिए अद्वितीय प्रतिभा विकास कार्यक्रम की शुरुआत की।

निर्माण में 4.3 मिलियन सुरक्षित-काम के घंटे सुनिश्चित किए गए। 99% स्थानीय खरीद के साथ जिम्मेदार सोर्सिंग को बढ़ावा दिया गया। पूरी रिपोर्ट यहाँ देखें: https://www.nxtra.in/documents/Nxtra-Sustainability-Report-2024.pdf

रियलमी ने 13 सीरीज़ 5जी स्पीड ट्रायो का अनावरण किया: 29 अगस्त, 2024 को शुरू होगी अतुलनीय स्पीड

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय ब्रांड, रियलमी ने अपनी नंबर सीरीज़ में रियलमी 13 सीरीज़ 5जी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन उद्योग में अब तक की सबसे तेज स्पीड प्रदान करेगा। इसमें डायमेंसिटी 7300 एनर्जी 5जी चिपसेट, 80 वॉट के अल्ट्रा चार्ज और 256जीबी डायनामिक रैम एक्सपैंशन + 256जीबी रोम के साथ शक्तिशाली स्पीड का कॉम्बिनेशन है। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी का लॉन्च 29 अगस्त, 2024 को दोपहर 12 बजे होगा।

इस नई सीरीज़ में यह मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी 5जी चिपसेट के साथ पहला स्मार्टफोन है। यह एडवांस्ड 4एनएम प्रोसेस टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो सुगम मल्टीटास्किंग और गेमिंग के अनुभव के लिए बेहतरीन पॉवर एवं एफिशियंसी प्रदान करता है। पिछले मॉडलों के मुकाबले यह चिपसेट 30 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी एफिशियंसी प्रदान करती है। इस स्मार्टफोन में दमदार परफॉर्मेंस और कम से कम पॉवर कंज़ंप्शन के साथ स्थिर और सुगम हाई-फ्रेम-रेट गेमिंग प्राप्त होती है।

इसमें बेहतरीन मैमोरी कॉन्फिगुरेशन के साथ डायमेंसिटी चिपसेट दिया गया है। यह सीरीज़ 26जीबी तक की डायनामिक रैम (12जीबी फिज़िकल + 14जीबी वर्चुअल) और 256जीबी स्टोरेज प्रदान करती है, जो अपनी श्रेणी में सबसे विशाल है। इस रैम द्वारा ऐप्स बहुत तेजी से लॉन्च होते हैं और मल्टीटास्किंग बहुत आसान बन जाती है। यह 32 तक बैकग्राउंड ऐप्स आसानी से संभाल सकता है। एडवांस्ड डीआरई (डायनामिक रैम एक्सपैंशन) टेक्नोलॉजी द्वारा उद्योग में अग्रणी एप्लीकेशन लॉन्च स्पीड प्राप्त होती है।

रियलमी 13 सीरीज़ 5जी में अत्याधुनिक 80 वॉट की अल्ट्रा चार्ज टेक्नोलॉजी दी गई है, जो अपने सेगमेंट में फास्ट चार्जिंग के नए मानक स्थापित कर रही है। इसकी मदद से डिवाईस बहुत तेजी से चार्ज होती है, और केवल 5 मिनट की चार्जिंग में इस पर पूरे एक घंटे तक भारी गेम खेले जा सकते हैं। इस डिवाईस में 5000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी लगी है, जो हैवी यूज़र्स को भी पर्याप्त पॉवर प्रदान करती है। इसके साथ आप लगातार 7 घंटे तक भारी गेम खेल सकते हैं। यह बैटरी लंबी चलने के लिए डिज़ाईन की गई है, और 1000 चार्ज साईकल पूरे होने के बाद भी इसकी 80 प्रतिशत क्षमता बची रहती है, यानी यह लगभग 3 सालों तक विश्वसनीय उपयोग प्रदान करती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की, इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल लॉन्च की एवं वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही तक अपने खुद के सेल लाने की घोषणा की

बैंगलुरू। भारत को विश्व का इलेक्ट्रिक वाहन और नया ऊर्जा केंद्र बनाने के उद्देश्य से ओला इलेक्ट्रिक ने आज इलेक्ट्रिक वाहन और एनर्जी वर्टिकल्स में अपने नए उत्पादों और भविष्य के रोडमैप की घोषणा की। रोडस्टर, रोडस्टर एक्स और रोडस्टर प्रो के लॉन्च के साथ कंपनी ने आज इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल के सेगमेंट में प्रवेश किया और वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही से अपने वाहनों में अपने खुद के सेल लाने की घोषणा की। कंपनी ने 15 अगस्त, 2024 को कृष्णागिरी, तमिल नाडु की फ्यूचर फैक्ट्री में ओला की वार्षिक लॉन्च ईवेंट- संकल्प 2024 में स्वदेशी विकसित भारत 4680 सेल और बैटरी पैक तथा मूवओएस 5 का प्रदर्शन भी किया।

इस कार्यक्रम में ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर एवं सीएमडी, भाविश अग्रवाल ने कहा, ‘‘आज भारत में टूव्हीलर के दो तिहाई हिस्से पर मोटरसाईकल का कब्जा है, और इस सेगमेंट में ओला के प्रवेश के साथ भारत के टूव्हीलर उद्योग में इलेक्ट्रिक वाहनों का हिस्सा तेजी से बढ़ेगा। हमने स्कूटर सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में सफलतापूर्वक तेजी लाई, और अब अपने भविष्य के मोटरसाईकल पोर्टफोलियो के साथ हम इलेक्ट्रिक वाहन को और ज्यादा बढ़ावा देने के लिए बहुत उत्साहित हैं। अगले साल की शुरुआत में हमारे वाहनों में हमारे खुद के सेल लगना शुरू हो जाने के बाद हमें विश्वास है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बहुत तेजी से विस्तार होगा।’’

ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी ऑल-न्यू रोडस्टर सीरीज़ की मोटरसाईकल, रोडस्टर, रोडस्टर एक्स और रोडस्टर प्रो पेश की हैं। स्केलेबल, मॉड्युलर, इंटीग्रेटेड ओला मोटरसाईकल प्लेटफॉर्म पर निर्मित ये मोटरसाईकल फ्यूचरिस्टिक और मोनोलिथिक डिज़ाईन लैंग्वेज पर आधारित हैं। साथ ही ओला इलेक्ट्रिक ने अपने दो आगामी मॉडलों, स्पोर्ट्सटर और एरोहेड का टीज़र भी जारी किया।

रोडस्टर एक्स एंट्री-लेवल की मोटरसाईकल है, जो प्रभावशाली परफॉर्मेंस के साथ राईडिंग का रोमांचक अनुभव प्रदान करती है। यह 11 किलोवॉट का पीक मोटर आउटपुट प्रदान करती है, जिसके साथ रोडस्टर एक्स अपने सेगमेंट की सबसे तेज इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल है। यह 2.5 किलोवॉटघंटा, 3.5 किलोवॉटघंटा और 4.5 किलोवॉटघंटा बैटरी वैरिएंट्स में उपलब्ध है। रोडस्टर एक्स केवल 2.8 सेकंड (4.5 किलोवॉट घंटा वैरिएंट के लिए) में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक की गति तक पहुँच जाती है। यह अधिकतम 124 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति तक पहुँच सकती है और 200 किलोमीटर की रेंज (टॉप वैरिएंट) प्रदान करती है। रोडस्टर एक्स प्रभावशाली कॉम्बी ब्रेकिंग सिस्टम (सीबीएस) के साथ आती है, जिसके फ्रंट में डिस्क ब्रेक के साथ एडवांस्ड ब्रेक बाय वायर टेक्नोलॉजी है। इस मोटरसाईकल में स्पोर्ट्स, नॉर्मल, और ईको राईडिंग मोड हैं। इसमें 4.3 इंच का एलसीडी सेगमेंट डिस्प्ले है, जो मूवओएस 5 द्वारा पॉवर्ड है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)